Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

प

पकड़वाना

परिभाषा:

"पकड़वाना" (धोखा देना) का अर्थ है,ऐसा व्यवहार करना जिससे किसी के साथ धोखा हो और उसकी हानि हो।

- यहूदा "पकड़वाने वाला" था क्योंकि उसने यहूदी अगुओं को युक्ति सुझाई थी कि यीशु को कैसे पकड़ें।
- यहूदा द्वारा विश्वासघात विशेष पाप था, क्योंकि वह यीशु का चेला था और उसने पैसों के बदले में यहूदी अगुओं को जानकारी दी थी जिसका परिणाम यीशु की अन्यायी मृत्यु से हुआ।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "पकड़वाना" का अनुवाद "धोखा देना और हानि पहुंचाना" या "बैरियों के हाथों में कर देना" या "निर्दयता का व्यवहार करना" हो सकता है।
- "पकड़वानेवाला" शब्द का अनुवाद "धोखा देने वाला मनुष्य" या "दुचित्ता व्यवहारी" या "द्रोही" हो सकता है।

(यह भी देखें: यहूद इस्करियोती, यहूदी अगुवे, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:52
- यूहन्ना 6:64
- यूहन्ना 13:22
- मत्ती 10:4
- मत्ती 26:22

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **21:11** भविष्यद्वक्ताओं ने पहले से भविष्यवाणी की थी, कि मसीह को मारने वाले उसके कपड़ों के लिए चिट्ठियां डालेंगे और उसका परम मित्र उसे **धोखा देगा**। जकर्याह भविष्यवक्ता ने पहले से ही भविष्यवाणी की थी, कि मसीह का ही एक चेला उसे तीस चाँदी के सिक्कों के लिए **धोखा देगा**।
- **38:2** यीशु और चेलों द्वारा यरूशलेम पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ **विश्वासघात** करने का प्रस्ताव रखा।
- _38:3_ यहूदी गुरुओं ने महायाजक के नेतृत्व में यीशु को **पकडवाने के लिए** के लिये यहूदा को तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **38:6** फिर यीशु ने अपने चेलों से कहा, “तुम में से एक मुझे **पकड़वाएगा**।” यीशु ने कहा कि, “जिसे मैं यह रोटी का टुकड़ा दूँगा वही मेरा **पकड़वाने वाला** होगा।”
- **38:13** जब यीशु तीसरी बार प्रार्थना करके आया तो उसने अपने चेलों से कहा कि, “उठो, मेरे **पकड़ने वाले** आ गए है।”
- **38:14** यीशु ने यहूदा से कहा कि, “ तूने मुझे **पकड़वाने** के लिए चूमा है।”
- **39:8 विश्वासघाती** यहूदा, ने देखा कि यहूदी अगुओं ने यीशु को मृत्यु दंड का दोषी ठहराया है, तो वह शोकातुर हो गया और उसने जाकर आत्महत्या कर ली।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H7411, G38600, G42730

पड़ोसी

परिभाषा:

"पड़ोसी" शब्द प्रायः उस मनुष्य के सन्दर्भ में काम में आता है जो किसी के निकट रहता है। अधिक सर्वनिष्ठ अर्थ में देखा जाए तो इसका सन्दर्भ एक ही समुदाय या जाति के मनुष्य से हो सकता है।

- "पड़ोसी " वह मनुष्य होता है जो सुरक्षा और दया का पात्र होता है क्योंकि वह एक ही समुदाय का सदस्य है।
- नये नियम में नेक सामरी के दृष्टान्त में यीशु ने "पड़ोसी" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग किया है जिसमें वह सब मनुष्यों को समाहित करता है, यहां तक कि जिसे हम अपना बैरी समझते हैं।
- यदि संभव हो तो इसका अनुवाद शाब्दिक अर्थ में ही किया जाए, जिस शब्द का अर्थ हो, “निकट रहनेवाला व्यक्ति”।

(यह भी देखें: बैरी, दृष्टान्त, जाति, सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:26–28
- इफिसियों 4:25–27
- गलातियों 5:14
- याकूब 2:8
- यूहन्ना 9:8–9
- लूका 1:58
- मत्ती 5:43
- मत्ती 19:19
- मत्ती 22:39

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

पण्डुकी

परिभाषा:

पण्डुकी और कबूतर दो छोटे भूरे रंग के पक्षी हैं जो एक से दिखते हैं। पण्डुकी रंग में हल्की होती है, लगभग सफेद।

- कुछ भाषाओं में इन दोनों पक्षियों के नाम अलग-अलग हैं और कुछ भाषाएं दोनों पक्षियों के लिए एक ही नाम काम में लेते हैं।
- पण्डुकी और कबूतर दोनों परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाने के काम में आते थे, विशेष करके उन मनुष्यों द्वारा जो बड़ा पशु खरीदने की क्षमता नहीं रखते थे।
- जब जल प्रलय का पानी घट रहा था तब पण्डुकी जैतून का पत्ता लेकर नूह के पास लौट आई थी।
- पण्डुकी कभी-कभी पवित्रता, निर्दोषिता और शान्ति का प्रतीक भी है।
- यदि अनुवाद की भाषा में पण्डुकी और कबूतर नहीं हैं तो इसका अनुवाद किया जा सकता है, "एक छोटा भूरा पक्षी जो पण्डुकी कहलाता है" या "एक छोटा भूरे रंग का पक्षी जो (किसी स्थानीय पक्षी का नाम) के समान दिखता है।"
- यदि पण्डुकी और कबूतर दोनों का उल्लेख एक ही पद में है तो उचित होगा कि यथासंभव दो अलग-अलग शब्दों का उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: जैतून, निर्दोष, शुद्ध करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 8:9
- लूका 2:22–24
- मरकुस 1:10
- मत्ती 3:16
- मत्ती 21:12–14

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1469, H1686, H3123, H8449, G40580

पतरस

तथ्य:

पतरस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह आरंभिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुआ था।

- यीशु द्वारा शिष्य होने के लिए बुलाए जाने से पूर्व पतरस का नाम शमौन था।
- बाद में यीशु ने उसे "कैफा" नाम दिया जिसका अर्थ है "पत्थर या चट्टान" अरामी भाषा में। पतरस का अर्थ यूनानी भाषा में "पत्थर" या "चट्टान" होता है।
- परमेश्वर ने पतरस के माध्यम से लोगों को चंगा किया और यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।
- नये नियम में दो पुस्तकें पतरस के पत्र हैं जो विश्वासियों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा देने के लिए हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: चेले, प्रेरित)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 8:25
- गलातियों 2:6–8
- गलातियों 2:12
- लूका 22:58
- मरकुस 3:16
- मत्ती 4:18–20
- मत्ती 8:14
- मत्ती 14:30
- मत्ती 26:33–35

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **28:9** इस पर **पतरस** ने उससे कहा, "देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या प्रतिफल मिलेगा ?"
- **29:1** एक दिन **पतरस** ने पास आकर यीशु से पूछा , "हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ? क्या सात बार तक?"
- **31:5** फिर **पतरस** ने यीशु से कहा 'हे गुरु' यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे" यीशु ने **पतरस** से कहा, " आ |"
- **36:1** एक दिन यीशु ने अपने तीन चेलों, **पतरस**, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:9** **पतरस** ने कहा, "यदि सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोडूँगा | यीशु ने **पतरस** से कहा, "शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, **पतरस**, तेरा विश्वास कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मेरा इनकार कर देगा|"
- **38:15** जैसे ही सैनिकों ने यीशु को पकड़ लिया, **पतरस** ने अपनी तलवार निकाल ली और महायाजक के एक दास पर चलाकर उसका कान काट दिया |

- **43:11 पतरस** ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा।
- **44:8** तब **पतरस** ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G27860, G40740, G46130

पत्थर

परिभाषा:

पत्थर चट्टान का टुकड़ा होता है। किसी को "पथरवाह" करने का अर्थ है, उस पर पत्थरो और बड़े-बड़े पत्थरों से प्रहार करना जिसमें उसकी हत्या करने की मंशा हो। "पत्थरवाह करना" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया जाता था।

- प्राचीन समय में, लोगों को उनके किए गए अपराधों के दंड स्वरुप पथरवाह करके मृत्युदंड देना एक सामान्य प्रथा थी।
- परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि कुछ पापों का दंड पथरवाह किया जाना हो जैसे व्यभिचार का पाप।
- नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में पकड़ी गई एक महिला को क्षमा कर दिया था और लोगों को उसे पथरवाह करने से रोक दिया था।
- स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए पथरवाह करके मार डाला जाने वाला बाईबल में पहला शहीद था।
- लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: परस्त्रीगमन, करना, अपराध, मृत्यु, लुस्त्रा, गवाही)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:57–58
- प्रे.का. 7:59–60
- प्रे.का. 14:5
- प्रे.का. 14:19–20
- यूह. 8:4–6
- लूका 13:34
- लूका 20:6
- मत्ती. 23:37–39

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0068, H0069, H0810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G26420, G29910, G30340, G30350, G30360, G30370, G40740, G43480, G55860

पद्दनराम

तथ्य:

पद्दनराम वह क्षेत्र था जहां अब्राहम कनान आने से पहले वास करता था। इसका अर्थ है, “अराम के मैदान।”

- जब अब्राहम ने पद्दनराम के हारान नगर से कनान के लिए कूच किया था तब उसका अधिकांश कुटुम्ब हारान में ही रह गया था।
- वर्षों बाद अब्राहम का सेवक पद्दनराम गया कि इसहाक के लिए पत्नी ले आए और वहां अब्राहम के कुटुम्बियों में बतूएल की प्रपौत्री रिबका को चुना।
- इसहाक और रिबका का पुत्र याकूब भी पद्दनराम गया था और वहां रिबका के भाई लाबान के दोनों पुत्रियों से विवाह किया।
- अराम पद्दनराम और अरामनहरेम सब एक ही क्षेत्र के विभिन्न भाग थे जो आज के सीरिया में हैं।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, अराम, बेतूएल, कनान, हारान, याकूब, लाबान, रिबका, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:1–2
- उत्पत्ति 35:9–10
- उत्पत्ति 46:12–15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6307

परखना

परिभाषा:

"परीक्षा" का संदर्भ कठिन या दुःखदायी अनुभव से है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति या दुर्बलता को दर्शाता है।

- परमेश्वर मनुष्य को जांचता है, परन्तु उनको पाप में नहीं गिराता है। परन्तु शैतान मनुष्यों को पाप करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर कभी-कभी कसौटी पर रखकर मनुष्य के पाप को प्रकट करता है। परीक्षा एक व्यक्ति को पाप से दूर करने और परमेश्वर के करीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी शुद्धता और मज़बूती देखी जाती है। यह कष्टदायक परिस्थितियों द्वारा मनुष्यों को परखने का चित्रण है।
- "परख कर देखना" अर्थात् "किसी को चुनौती देना कि अपने महत्व को सिद्ध करे।"
- परमेश्वर की परीक्षा लेने का अर्थ है, उससे हमारे लिए एक चमत्कार कराने कि कोशिश करना है, उसकी दया का अनुचित लाभ उठाना।
- यीशु ने शैतान से कहा था कि परमेश्वर की परीक्षा लेना उचित नहीं है। वह सर्वशक्तिमान पवित्र परमेश्वर है जो सबके ऊपर है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परखना" का अनुवाद हो सकता है, "चुनौती देना" या "कठिनाइयों का अनुभव करवाना" या "सिद्ध करना"।
- "परखना" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "चुनौती" या "कठिनाई"।
- "परख कर देखना" का अनुवाद हो सकता है, "परीक्षा करना" या "चुनौती देना" या "किसी को विवश करना कि स्वयं को सिद्ध करे।"
- परमेश्वर की परीक्षा लेने के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर को विवश करने का प्रयास करना कि वह अपना प्रेम सिद्ध करे।"
- कुछ संदर्भों में, जब विषय परमेश्वर नहीं है, "परखना" का अर्थ "परीक्षा" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: परीक्षा करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 4:1
- 1 थिस्सलुनीकियों 5:21
- प्रे.का. 15:10
- उत्पत्ति 22:1
- यशा. 7:13
- याकूब 1:12
- विलापगीत 3:40–43
- मलाकी 3:10
- फिलिप्पियों 1:10
- भजन संहिता 26:2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5254, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1382, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G3984, G4303, G4451, G4828, G6020

परदा

परिभाषा:

बाइबल में "परदा" शब्द बहुत मोटी और भारी चद्दर के सन्दर्भ में काम में लिया गया है जिससे मिलाप वाले तम्बू और मंदिर को बनाया गया था।

- निवास स्थान परदों की चार परतों द्वारा बनाया गया था। ऊपर के लिए और पक्षों के लिए। ये परदे पशुओं की खाल या कपड़ो के थे।
- निवास के चारों ओर प्रांगण को ढांपने के लिए दीवार स्वरूप परदे डाले गए थे। ये परदे "सन" से बने थे ये जो एक प्रकार का कपड़ा है जो सन के पौधे से बनाया जाता था।
- निवास (मण्डप) और मन्दिर में पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान के मध्य कपड़े का एक बहुत मोटा परदा था। यही वह परदा था जो यीशु की मृत्यु पर चमत्कारी रूप से फट कर दो भाग हो गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- क्योंकि आधुनिक युग के परदे बाइबल के समय में काम में आनेवाले परदों से सर्वथा भिन्न हैं, भिन्न शब्द का उपयोग करना या व्याख्या हेतु अन्य शब्दों को जोड़ना उचित होगा।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "परदे का आवरण" या "आवरण" या "मोटा कपड़ा" या "पशु की खाल का आवरण" या "लटकनेवाला कपड़ा"।

(यह भी देखें: पवित्र स्थान, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- इब्रानियों 10:20
- लैव्यव्यवस्था 4:17
- लूका 23:45
- मत्ती 27:51
- गिनती 4:5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1852, H3407, H4539, H6532, H7050, G26650

परदा

परिभाषा:

शब्द "परदा" आमतौर पर कपड़े के एक पतले टुकड़े को संदर्भित करता है जिसका उपयोग सिर को ढंकने के लिए किया जाता है, सिर या चेहरे को ढंकने के लिए ताकि इसे देखा न जा सके।

- यहोवा की उपस्थिति में रहने के बाद मूसा ने अपने चेहरे पर परदा डाल लिया था कि उसके चेहरे की चमक इस्राएलियों से छिपी रहे।
- बाइबल में स्त्रियां पुरुषों के सामने या सार्वजनिक स्थानों में, सिर ढांकने के लिए और अधिकतर चेहरा भी ढांकने के लिए परदा डालती थी।
- “परदा डालना” क्रिया का अर्थ है किसी वस्तु को परदे से ढकना।
- कुछ अंग्रेजी संस्करणों में, "परदा" शब्द का उपयोग उस मोटे पर्दे को संदर्भित करने के लिए किया जाता है जो अति पवित्र स्थान प्रवेश द्वार को ढकता है। लेकिन "पर्दा" उस संदर्भ में एक बेहतर शब्द है, क्योंकि यह कपड़े के भारी, मोटे टुकड़े को संदर्भित करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परदा” शब्द का अनुवाद “पतले कपड़े का आवरण” या “कपड़े का आवरण” या “सिर ढांकना” हो सकता है।
- कुछ संस्कृतियों में स्त्रियों के परदे के लिए अलग शब्द होगा। मूसा के लिए एक अन्य शब्द काम में लेना जरूरी होगा।

(यह भी देखें: मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 3:12–13
- 2 कुरिन्थियों 03:16
- यहेजकेल 13:18
- यशायाह 47:1–2
- श्रेष्ठगीत 4:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4304, H4533, H4555, H6777, H6809, H7196, H7479, G03430, G25710, G25720

परदेशी

परिभाषा:

“परदेशी” अर्थात किसी अन्य देश में रहनेवाला। “परदेशी” का दूसरा शब्द है, विदेशी।

- पुराने नियम में यह शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो किसी अन्य समुदाय से आकर एक समुदाय में रह रहा है।
- परदेशी वह मनुष्य भी है जिसकी भाषा और संस्कृति किसी विशेष क्षेत्र से भिन्न होती है।
- उदाहरणार्थ, जब नाओमी और उसका परिवार मोआब गए थे तब वहां परदेशी हो कर रहते थे। जब नाओमी और उसकी बहू रूत इस्राएल लौटे तब रूत को "परदेशी" कहा गया क्योंकि वह मूल इस्राएली नहीं थी।
- प्रेरित पौलुस ने इफिसियों की कलीसियाँ को लिखा कि मसीह को जानने से पूर्व वे परमेश्वर के विधान के लिए "परदेशी" थे।
- कभी-कभी "परदेशी" का अनुवाद "अनजान" भी किया जा सकता है परन्तु इसका अर्थ गहन हो कि वह "अपरिचित" या "अज्ञात मनुष्य" है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 02:17–18
- प्रे.का. 07:29–30
- व्यवस्थाविवरण 01:15–16
- उत्पत्ति 15:12–13
- उत्पत्ति 17:24–27
- लूका 17:17–19
- मत्ती 17:24–25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H312, H628, H776, H1471, H1481, H1616, H2114, H3363, H3937, H4033, H5236, H5237, H5361, H6154, H8453, G241, G245, G526, G915, G1854, G3581, G3927, G3941

परमप्रधान

तथ्य:

"परमप्रधान" शब्द परमेश्वर का उपनाम है। इसका संदर्भ उसकी महानता और अधिकार से है।

- इस शब्द का अर्थ "प्रभुता संपन्न" या "सर्वोच्च" जैसा ही है।
- इस पदनाम में ऊँचा का अभिप्राय भौतिक ऊँचाई या दूरी से नहीं है। इसका संदर्भ महानता से है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "परमप्रधान परमेश्वर" या " सर्वोच्च प्राणी" या "सर्वोच्च परमेश्वर" या "सबसे बड़ा" या "सर्वोपरि" या "सबसे महान परमेश्वर"
- यदि "ऊँचा" शब्द का उपयोग किया गया तो सुनिश्चित करें कि उसका अभिप्राय ऊँचाई या लम्बाई न हो।

(यह भी देखें: परमेश्वर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:47–50
- प्रे.का. 16:16–18
- दानिय्येल 4:17–18
- व्यवस्थाविवरण 32:7–8
- उत्पत्ति 14:17–18
- इब्रानियों 7:1–3
- होशे 7:16
- विलापगीत 3:35
- लूका 1:32

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5945, G53100

परमेश्वर

तथ्य:

बाइबल में "परमेश्वर" का संदर्भ शाश्वत प्राणी से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्वर का नाम यहोवा है।

- परमेश्वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
- वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- परमेश्वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
- वह वाचा निभाने वाला परमेश्वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
- मनुष्यों को परमेश्वर की उपासना हेतु बनाया गया था और वही एकमात्र है जिसकी उपासना करना मनुष्यों के लिए आवश्यक है|
- परमेश्वर ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका अर्थ है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना करना मनुष्य की भूल है।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दिव्य शक्ति” या “सृजनहार” या “सर्वोच्च प्राणी” या सर्वोच्च सृजनहार" या "अनंत परमप्रधान प्रभु" या "अनंत सर्वोच्च अस्तित्व"
- ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए उसका कोई एक शब्द है। यदि है तो महत्वपूर्ण होगा कि सुनिश्चित किया जाए कि वह शब्द एकमात्र सच्चे परमेश्वर के उन गुणों के अनुरूप है जिनका उल्लेख ऊपर किया गया है।

- अनेक भाषाओं में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के लिए प्रयुक्त शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा कर दिया जाता है की झूठे देवताओं के लिए काम में लिए गए शब्द से भिन्न हो| इस अंतर को प्रकट करने की एक और विधि है, "परमेश्वर" और "देवताओं" के लिए अलग-अलग शब्दों का प्रयोग किया जाए\ टिप्पणी: बाईबल के लेखों में, जब कोई मनुष्य जो यहोवा की उपासना नहीं करता है, यहोवा की बात करते समय "ईश्वर" शब्द का प्रयोग करता है तो यहोवा के सन्दर्भ में इस शब्द को बिना बड़े अक्षर के लिखना स्वीकार्य है| (देखें योना 1:6, 3:9)
- “मैं उनका परमेश्वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “मैं परमेश्वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।”

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: रचना, झूठे देवता, पिता परमेश्वर, पवित्र आत्मा, मूर्ति, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 1:7
- 1 शमूएल 10:7–8
- 1 तीमुथियुस 4:10
- कुलुस्सियों 1: 16
- व्य. 29:14–16
- एज्रा 3:1–2
- उत्पत्ति 1:2
- होशे 4:11–12
- यशा. 36:6–7
- याकूब 2:20
- यिर्मयाह 5:5
- यूह. 1:3
- यहोशू 3:9–11
- विलाप 3:43
- मीका 4:5
- फिलि. 2:6
- नीतिवचन 24:12
- भजन-संहिता 47:9

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **1:1 परमेश्वर** ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
- **1:15 परमेश्वर** ने अपने रूप में पुरुष और स्त्री को बनाया।
- **5:3** "मैं **परमेश्वर** सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
- **9:14 परमेश्वर** ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का **परमेश्वर**, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है

- **10:2** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा **परमेश्वर** यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **16:1** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा **परमेश्वर** है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
- **22:7** और तू हे बालक, **परमप्रधान परमेश्वर** का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:9** " केवल एक ही **परमेश्वर** है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता **परमेश्वर** को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
- **25:7** "कि 'तू प्रभु अपने **परमेश्वर** को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **28:1** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह **परमेश्वर** है।"
- **49:9** लेकिन **परमेश्वर** ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा **परमेश्वर** के साथ रहेगा।
- **50:16** लेकिन एक दिन **परमेश्वर** एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0136, H0305, H0410, H0426, H0430, H0433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G01120, G05160, G09320, G09350, G10960, G11400, G20980, G21240, G21280, G21500, G21520, G21530, G22990, G23040, G23050, G23120, G23130, G23140, G23150, G23160, G23170, G23180, G23190, G23200, G33610, G37850, G41510, G52070, G53770, G54630, G55370, G55380

परमेश्वर का जन

तथ्य:

"परमेश्वर का जन" यहोवा के भविष्यद्वक्ता को संबोधित करने की एक सम्मान-सूचक उक्ति है. यह उक्ति यहोवा के स्वर्गदूत के संदर्भ में भी काम में ली गई है.

- भविष्यद्वक्ता के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का अपना जन" या "परमेश्वर का चुना हुआ मनुष्य" या "परमेश्वर का सेवक जन."
- स्वर्गदूत के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का सन्देश-वाहक" या "तेरा स्वर्गदूत" या "परमेश्वर की ओर से एक स्वार्गिक प्राणी जो मनुष्य जैसा दिखता ह."

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, सम्मान, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:12–14
- 1 राजा 12:22
- 1 शमूएल 09:9–11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H376, H430, G444, G2316

परमेश्वर का पुत्र

तथ्य:

"परमेश्वर का पुत्र" अर्थात यीशु, परमेश्वर का वचन, जो संसार में मानव रूप में आया। उसे प्रायः "पुत्र" भी कहा गया है।

परमेश्वर का पुत्र

- परमेश्वर के पुत्र में पिता परमेश्वर के सब गुण हैं वरन वह स्वयं ही परमेश्वर है।
- पिता परमेश्वर, पुत्र परमेश्वर, तथा पवित्र आत्मा परमेश्वर एक ही हैं।
- मानव पुत्रों के विपरीत, परमेश्वर का पुत्र हमेशा अस्तित्व में है।
- आरंभ में परमेश्वर का पुत्र ब्रह्माण्ड की रचना में सक्रिय था, पिता और पवित्र आत्मा के साथ। परमेश्वर पुत्र होने के कारण यीशु पिता परमेश्वर से प्रेम करता है और उसकी आज्ञाओं का पालन करता है और उसका पिता. परमेश्वर उससे प्रेम करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर का पुत्र" के लिए "पुत्र" ही अनुवाद करना सर्वोत्तम शब्द है जो लक्षित भाषा में मानवीय पुत्र के लिए काम में लिया जाता है।
- सुनिश्चित करें कि "पुत्र" शब्द उस शब्द से सुसंगत हो जिसको पिता के लिए काम में लिया गया है और ये शब्द पिता-पुत्र का संबन्ध दर्शाने के लिए लक्षित भाषा में अति सामान्य शब्द हैं।
- "पुत्र" शब्द को यदि कुछ इस प्रकार लिखा जाए कि उससे उसकी परमेश्वर होने की विशिष्टता प्रकट हो तो उचित होगा जैसे अंग्रेजी भाषा में "एस" अक्षर को बड़ा लिख सकते हैं।
- "पुत्र" शब्द " परमेश्वर का पुत्र" का छोटा रूप है, खासकर जब यह उसी संदर्भ में प्रकट हो जिसमें "पिता"प्रकट होता है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, पूर्वजों, परमेश्वर, परमेश्वर पिता, पवित्र आत्मा, यीशु, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र।)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 04:9–10
- प्रे.का. 09:20–22
- कुलुस्सियों 01: 15–17
- गलतियों 02: 20–21
- इब्रानियों 04: 14–16
- यूह. 03:16–18
- लूका 10:22
- मत्ती 11:25–27
- प्रकाशितवाक्य 02:18–19
- रोमियो 08:28–30

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **22:5** स्वर्गदूत ने उसको समझाया, "पवित्र आत्मा तुम्हारे पास आएगा, और परमेश्वर की शक्ति तुम पर छाया करेगी। इसलिए बच्चा पवित्र होगा, _परमेश्वर का पुत्र _।"
- _24:9_परमेश्वर ने यूहन्ना से कहा था कि, “पवित्र आत्मा किसी एक पर उतरेगा जिसे तू बपतिस्मा देगा। वह **परमेश्वर का पुत्र** है।"
- **31:8** चेले चकित थे। उन्होंने यीशु की आराधना की, और कहा, "सचमुच, तू **परमेश्वर का पुत्र** हैं।";
- **37:5** मार्था ने उत्तर दिया, "हां, स्वामी! मेरा विश्वास है कि तू मसीहा है, **परमेश्वर के पुत्र** ।"
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और _पुत्र _, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **46:6** तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु **परमेश्वर का पुत्र** है!"

परमेश्वर का प्रतिरूप

- **49:9** लेकिन परमेश्वर दुनिया में हर किसी से इतना प्यार करता था कि उसने अपना एकमात्र _पुत्र_दे दिया ताकि जो कोई भी यीशु पर विश्वास करे, उसके पापों के लिए दंडित नहीं दिया जाएगा, परन्तु वह हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ जीवित रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0426, H0430, H1121, H1247, G23160, G52070

परमेश्वर का प्रतिरूप

परिभाषा:

मूरत का अर्थ है किसी के स्वरूप में या चरित्र या तत्त्व में किसी के समान। "परमेश्वर का प्रतिरूप" प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न रूप में काम में लिया गया है।

- आरंभ में परमेश्वर ने मनुष्य को "अपने स्वरूप" में सृजा था अर्थात् उसकी समानता में। इसका अर्थ है कि मनुष्य के कुछ गुण परमेश्वर के स्वरूप को दर्शाते हैं जैसे भावनाओं की अनुभूति की क्षमता, तर्क करने और विचारों का आदान प्रदान करने की क्षमता और अनश्वर आत्मा।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार यीशु, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर का प्रतिरूप है अर्थात् वह परमेश्वर है। यीशु सृजा नहीं गया था जैसे मनुष्य सृजा गया था। अनादिकाल से पुत्र परमेश्वर में परमेश्वर के सब गुण हैं, क्योंकि उसके पास पिता परमेश्वर का संपूर्ण तत्त्व है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब यीशु को परमेश्वर का प्रतिरूप कहा जाता है तो अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर की यथार्थ समानता में" या "परमेश्वर के तत्त्व में" या "परमेश्वर के अस्तित्व में"।
- मनुष्यों के संदर्भ में "परमेश्वर ने उसे अपने स्वरूप में बनाया" का अनुवाद इस प्रकार की उक्तियों से किया जाए जिनका अर्थ है, "परमेश्वर ने उसे अपनी समानता में बनाया" या "परमेश्वर ने उसे अपने जैसे गुणों में बनाया"।

(यह भी देखें: रूप, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 04:3–4
- कुलुस्सियों 03:9–11
- उत्पत्ति 01:26–27
- उत्पत्ति 09:5–7
- याकूब 03:9–10
- रोमियो 08:28–30

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4541, H1544, H2553, H6456, H6459, H6754, H6816, H8403, G504, G179

परमेश्वर का भवन

परिभाषा:

बाइबल में "परमेश्वर के भवन" (परमेश्वर का घर) और "यहोवा के भवन (यहोवा का घर) का सन्दर्भ उस स्थान से है जहां परमेश्वर की आराधना की जाती है।

- यह शब्द अधिक विशिष्टता में मिलापवाले तम्बू या मन्दिर के लिए काम में आता था।
- कभी-कभी "परमेश्वर का मंदिर", परमेश्वर की प्रजा के लिए भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- आराधना स्थल के संबन्ध में इस उक्ति का अनुवाद "परमेश्वर की आराधना का भवन" या "परमेश्वर की आराधना का स्थान" किया जा सकता है।
- यदि यह मन्दिर या मिलापवाले तम्बू के विषय में है तो इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मन्दिर (या मिलापवाला तम्बू) जहां परमेश्वर की अराधना की जाती है" (या "जहां परमेश्वर उपस्थित रहता है" या "जहाँ परमेश्वर अपने लोगों से मिलता है।")
- अनुवाद में "घर" शब्द का उपयोग करना महत्त्वपूर्ण है जिससे कि अर्थ प्रकाशन हो सके कि परमेश्वर वहाँ "निवास" करता है, अर्थात परमेश्वर का आत्मा उस स्थान में है कि उसके लोगों से भेंट करे और उनकी आराधना का आधार हो।

(यह भी देखें: परमेश्वर की प्रजा, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 3:14–15
- 2 इतिहास 23:8–9
- एज्रा 5:13
- उत्पत्ति 28:17
- न्यायियों 18:30–31
- मरकुस 2:26
- मत्ती 12:4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0426, H0430, H1004, H1005, H3068, G23160, G36240

परमेश्वर का राज्य

परिभाषा:

"परमेश्वर का राज्य" और "स्वर्ग का राज्य" दोनों ही परमेश्वर के राज्य एवं अधिकार के संदर्भ में है जो उसकी प्रजा और संपूर्ण सृष्टि पर है।

परमेश्वर का राज्य

- यहूदी “स्वर्ग” शब्द को प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में काम में लेते थे कि उसका नाम न लें। (देखें: लक्षणालंकार)
- नये नियम में मत्ती रचित सुसमाचार वृत्तान्त में मत्ती परमेश्वर के राज्य को “स्वर्ग का राज्य” कहता है क्योंकि उसका लक्षित समूह संभवतः यहूदी समुदाय था।
- परमेश्वर के राज्य का अर्थ है परमेश्वर मनुष्यों पर आत्मिक परिप्रेक्ष्य में राज करता है वरन् लौकिक संसार पर भी राज करता है।
- पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने कहा था कि परमेश्वर अपना मसीह भेजेगा कि वह धार्मिकता के साथ राज करे। परमेश्वर का पुत्र, यीशु ही वह मसीह है जो परमेश्वर के राज्य में सदाकालीन राज करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित “परमेश्वर का राज्य” का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “परमेश्वर का शासन(राजा के रूप में)” या “जब परमेश्वर राजा होकर राज करेगा” या “सब पर परमेश्वर का राज”
- शब्द “स्वर्ग का राज्य”, इसका अनुवाद किया जा सकता है, “राजा के रूप में स्वर्ग से परमेश्वर का शासन” या “परमेश्वर जो स्वर्ग में है राज्य करता है” या “स्वर्ग का राज्य” या “सब पर स्वर्ग का शासन।" यदि यह सरल और स्पष्ट रूप से अनुवाद करना संभव नहीं है, तो इस प्रकार अनुवाद किया जा सकता है, "परमेश्वर का राज्य"
- कुछ अनुवादक अंग्रेज़ी में हेवन(स्वर्ग)शब्द का पहला अक्षर बड़ा रखते हैं ताकि ये परमेश्वर को संदर्भित करे। अन्य पाठ में एक टिप्पणी शामिल कर सकते हैं, जैसे "स्वर्ग का राज्य" (अर्थात् 'परमेश्वर का राज्य')। "
- छपी हुए बाइबल के पृष्ठ के नीचे पादटिप्पणी देकर इस अभिप्राय में "स्वर्ग" इस अभिव्यक्ति में जो "स्वर्ग" का अर्थ है उसको समझाया जा सकता है|

(यह भी देखें: परमेश्वर, स्वर्ग, राजा, राज्य, यहूदियों का राजा, राज करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 1:5
- प्रे.का. 8:12–13
- प्रे.का. 28:23
- कुलुस्सियों 4:11
- यूहन्ना 3:3
- लूका 7:28
- लूका 10:9
- लूका 12:31–32
- मत्ती 3:2
- मत्ती 4:17
- मत्ती 5:10
- रोमियो 14:17

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **24:2** यूहन्ना ने उनसे कहा, “मन फिराओ क्योंकि **स्वर्ग का राज्य** निकट आ गया है !”
- **28:6** तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हुँ कि धनवान का **स्वर्ग के राज्य** में प्रवेश करना कठिन है। तुमसे, फिर कहता हूँ कि **परमेश्वर के राज्य** में धनवान के प्रवेश करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है।”
- **29:2** यीशु ने कहा “ इसलिये **स्वर्ग का राज्य** उस राजा के समान है, जिसने अपने दासों से लेखा लेना चाहा।
- **34:1** यीशु ने उन्हें **स्वर्ग के राज्य** के बारे में और कहानियाँ बताई। उदहारण के लिये, उसने कहा, “**स्वर्ग का राज्य** राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने लेकर अपने खेत में बो दिया।
- **34:3** यीशु ने एक और कहानी उन्हें बताई, “**स्वर्ग का राज्य** खमीर के समान है जिसको किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सारा आटा खमीरा हो गया।”

परमेश्वर का वचन

- **34:4** "**स्वर्ग का राज्य** खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया।"
- **34:5** "**परमेश्वर का राज्य** बहुमूल्य सर्वोतम मोती की तरह भी है।"
- **42:9** उसने ऐसे कई तरीको से अपने चेलों को साबित किया कि वह जीवित है और उन्हें **परमेश्वर के राज्य** की शिक्षा देता रहा।
- **49:5** यीशु ने कहा कि **परमेश्वर का राज्य** इस संसार की सारी वस्तुओं से कहीं अधिक मूल्यवान है।
- **50:2** जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को **परमेश्वर के राज्य** के बारे में शुभ समाचार का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G09320, G23160, G37720

परमेश्वर का वचन

परिभाषा:

बाइबल में "परमेश्वर का वचन" उन सभी चीजों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए तथा लिखित सन्देश शामिल हैं। यीशु को भी "परमेश्वर का वचन" कहा गया है।

परमेश्वर का वचन

- "पवित्रशास्त्र" का अर्थ है "लेख"। नये नियम में "पवित्रशास्त्र" का संदर्भ इब्रानी धर्मशास्त्र या पुराना नियम से है। ये लेख परमेश्वर का सन्देश है जो उसने मनुष्यों से लिखने को कहा कि भविष्य में पढ़ा जा सके।
- इससे संबन्धित शब्द है, "यहोवा का वचन" या "प्रभु का वचन" आमतौर पर परमेश्वर के विशिष्ट सन्देश के संदर्भ में है जो किसी भविष्यद्वक्ता या किसी मनुष्य को दिया गया।
- कभी-कभी मात्र यही लिखा है, "वचन" या "मेरा वचन" या "तेरा वचन" (परमेश्वर के वचन के संदर्भ में)
- नये नियम में यीशु को "वचन" या "परमेश्वर का वचन" कहा गया है। इन पदनामों का अर्थ है कि यीशु परमेश्वर को पूर्णतः प्रकट करता है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के अनुवाद की विधियां है, "यहोवा का सन्देश था" "परमेश्वर का सन्देश" या "परमेश्वर की शिक्षाएं"
- कुछ भाषाओं में इसका बहुवचन अधिक व्यवहारिक होगा, "परमेश्वर के वचन" या "यहोवा के वचन"
- "यहोवा का वचन पहुंचा" यह अभिव्यक्ति प्रायः परमेश्वर द्वारा भविष्यद्वक्ताओं या मनुष्यों को दिए गए सन्देश का आरंभ व्यक्त करती हैं। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "यहोवा ने यह सन्देश दिया" या "परमेश्वर ने ये वचन कहे"।
- "पवित्रशास्त्र" या "पवित्रशास्त्रों" का अनुवाद "लेखे" या "परमेश्वर का लिखित सन्देश" के रूप में किया जा सकता है। इस पद का अनुवाद "शब्द" से अलग तरह से किया जाना चाहिए।

परमेश्वर का वचन

- जब "शब्द" अकेला होता है और यह परमेश्वर के वचन को दर्शाता है, इसका अनुवाद "संदेश" या " परमेश्वर का शब्द" या "शिक्षाओं" के रूप में किया जा सकता है। उपरोक्त सुझाव के अनुसार अनुवादों पर भी ध्यान दें।
- जब बाइबल यीशु को "शब्द" के रूप में संदर्भित करती है, तो इस शब्द का अनुवाद "संदेश" या "सत्य" के रूप में किया जा सकता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित, इस शब्द के एनी अनुवाद रूप हो सकते हैं, "यहोवा का सन्देश" या परमेश्वर का सन्देश" या "परमेश्वर की शिओक्शाएन"
- कुछ भाषाओं में अधिक स्वाभिक होगा कि इस शब्द को बहुवचन में बदल दें और कहें "परमेश्वर के वचन" या "यहोवा के वचन"
- "यहोवा का वचन आया", इस अभिव्यक्ति को प्रायः परमेश्वर प्रदत्त वचनों के लिए काम में लिया जाता है जो उसने भविष्यद्वक्ताओं को दी या अपने लोगों को दिए| इसका अनुवाद हो सकता है, "यहोवा ने यह सन्देश उच्चारित किया" या "यहोवा ने इन शब्दों को सुनाया"
- "पवित्रशास्त्र" या "पवित्रशास्त्रों" का अनुवाद हो सकता है, "लेख" या "परमेश्वर का लिखित वचन" इसका अनुवाद, "वचन" शब्द के अनुवाद से भिन्न होना चाहिए|
- जब "वचन" शब्द अकेला हो औए परमेश्वर के वचन के सन्दर्भ में हो तो इसका अनुवाद हो सकता है, "सन्देश" या "परमेश्वर का वचन" या "शिक्षाएं" उपरोक्त व्यक्त वैकल्पिक अनुवादों पर भी ध्यान दें|
- जब बेबल में यीशु को वचन कहकर संदर्भित किया जाता है तब इसका अनुवाद हो सकता है, "सन्देश" या "सत्य"
- "सत्य का वचन", इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का सत्य वचन" या "परमेश्वर का वचन जो सत्य है"

परमेश्वर का वचन

- इस शब्द के अनुवाद में सत्य होने के अभिप्राय कलो समाहित करना अति महत्वपूर्ण है|

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, सत्य, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- उत्पत्ति 15:1
- 1राजा. 13:1
- यिर्मयाह 36:1–3
- लूका 8:11
- यूहन्ना 5:39
- प्रे.का. 6:2
- प्रे.का. 12:24
- रोमियो 1:2
- 2 कुरिन्थियों 6:7
- इफिसियों 1:13
- 2तीमुथियुस 3:16
- याकूब 1:18
- याकूब 2:8–9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **25:7** परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।'"
- **33:6** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज **परमेश्वर का वचन** है ।
- **42:3** फिर यीशु ने उन्हें समझाया कि **परमेश्वर का वचन** मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:7** यीशु ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि **परमेश्वर के वचन** में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने **पवित्र शास्त्र** बूझने के लिये उनकी समझ खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य **शास्त्रों** का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।
- **48:12** लेकिन यीशु सबसे महान भविष्यद्वक्ता है। वह __ परमेश्वर का वचन__ है।

- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका **वचन** पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

परमेश्वर की इच्छा

परिभाषा:

"परमेश्वर की इच्छा" का संदर्भ परमेश्वर के मनोरथ और योजना से है।

- परमेश्वर की इच्छा विशेष करके मनुष्यों के साथ उनकी बातचीत से है और वह मनुष्यों से अपने प्रति कैसी प्रतिक्रिया चाहता है, उससे संबन्धित है।
- इसका संदर्भ उसकी योजनाओं और मनोरथों से है जो उसकी संपूर्ण सृष्टि के संबन्ध में हैं।
- "इच्छा करना" का अर्थ है, "ठान लेना" या "मनोकामना साधना" से है।

अनुवाद के सुझाव:

- "परमेश्वर की इच्छा" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का मनोरथ क्या है" या "परमेश्वर ने क्या योजना बनाई है" या "परमेश्वर का उद्देश्य" या "परमेश्वर को क्या प्रसन्न करता है"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 2:15–17
- 1 थिस्सलुनीकियों 4:3–6
- कुलुस्सियों 4:12–14
- इफिसियों 1:1–2
- यूहन्ना 5:30–32
- मरकुस 3:33–35
- मत्ती 6:8–10
- भजन संहिता 103:21

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

परमेश्वर की प्रजा

परिभाषा:

"परमेश्वर की प्रजा", बाईबल में इस इस अवधारणा का सन्दर्भ उन लोगों से है जिनके साथ परमेश्वर ने वाचा बंधकर सम्बन्ध बनाए थे |

परमेश्वर के पुत्र

- पुराने नियम में "परमेश्वर की प्रजा" इस्राएल के संदर्भ में है| परमेश्वर ने इस्राएल को चुन कर संसार की अन्यजातियों से अलग कर लिया था कि उसकी सेवा करें और उसकी आज्ञा मानें।
- नये नियम में “परमेश्वर के लोग” का अभिप्राय "कलिसीया" से है अर्थात वह हर एक मनुष्य जो यीशु में विश्वास करता है| इसमें यहूदी और अन्यजाति विश्वासी दोनों समाहित हैं। नए नियम में, कभी-कभी लोगों के इस समूह को "परमेश्वर के पुत्र" या "परमेश्वर की संतान" कहा जाता है।
- परमेश्वर कहता है “मेरी प्रजा” तो वह उन लोगों के बारे में कह रहा है जिनके साथ उसका सम्बन्ध वाचा आधारित है| परमेश्वर की प्रजा उसके द्वारा कही हुई है और वह चाहता है कि उनका जीवन आचरण ऐसा हो जो उसको प्रसन्न करे।

अनुवाद के सुझाव:

- “परमेश्वर की प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आराधना करने वाले लोग” या “परमेश्वर की सेवा करने वाले लोग” या “परमेश्वर के अपने लोग”।
- जब परमेश्वर कहता है, “मेरी प्रजा” तब उसका अनुवाद हो सकता है, “जिन लोगों को मैंने चुन लिया है” या “मेरी आराधना करने वाले लोग” या “मेरे अपने लोग”
- इसी प्रकार “तेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “तेरे अपने लोग” या “ तेर हो जाने के लिए तुझे चुन लेने वाले लोग”
- “उसकी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “उसके अपने लोग” या “जिन लोगों को परमेश्वर ने अपना भाग होने के लिए चुन लिया”

(यह भी देखें: इस्राएल, जाति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 11:2
- प्रे.का. 7:34
- प्रे.का. 7:51–53
- प्रे.का. 10:36–38
- दानिय्येल 09:24–25
- यशायाह 2:5–6
- यिर्मयाह 6:20–22
- योएल 3:16–17
- मीका 6: 3–5
- प्रकाशितवाक्य 13:7–8

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H430, H5971, G2316, G2992

परमेश्वर के पुत्र

परिभाषा:

“परमेश्वर के पुत्र” यह एक प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है जिसके अनेक संभावित अर्थ हैं।

परमेश्वर पिता

- “परमेश्वर के पुत्र”, नये नियम में इस अभिव्यक्ति का सन्दर्भ यीशु के सब विश्वासियों से है और इसका अनुवाद प्रायः “परमेश्वर की सन्तान” किया जाता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरुष दोनों हैं।
- इस शब्द का उपयोग परमेश्वर के साथ मानवीय पिता-पुत्र के जैसा सम्बन्ध दर्शाता है जिसमें पुत्र होने से संयोजित सब लाभ समाहित हैं।
- उत्पत्ति 6 में चर्चित, “परमेश्वर के पुत्रों” की व्याख्या पतित स्वर्गदूतों (दुष्टात्माओं) के अर्थ में करते हैं| अन्य विचारकों के अनुसार ये लोग सामर्थी राजनीतिक शासकों या शेत के वंशजों से है|
- “परमेश्वर का पुत्र” यह उपनाम एक भिन्न उक्ति है: जो यीशु के सन्दर्भ में है जो परमेश्वर का एकमात्र पुत्र है।

अनुवाद के सुझाव:

- जब “परमेश्वर के पुत्र” यीशु के विश्वासियों के संदर्भ में है तो इसका अनुवाद “परमेश्वर की सन्तान” हो सकता है।
- उत्पत्ति 6:2 मैं “परमेश्वर के पुत्र” के चार अन्य अनुवाद हैं “स्वर्गदूत” या “आत्मिक प्राणी” या “अलौकिक प्राणियों” या “दुष्टात्माएं”।
- “पुत्र” का लिंक भी देखें।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दुष्टात्मा, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, शासक, आत्मा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 6:2
- उत्पत्ति 6:4
- अय्यूब 1:6
- रोमियो 8:14

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0430, H1121, G52070, G50430

परमेश्वर पिता

तथ्य:

यह शब्द “पिता परमेश्वर” और “स्वर्गीय पिता” एकमात्र सच्चे परमेश्वर, यहोवा के संदर्भ में हैं। इसी का एक और सहार्थी शब्द है, "पिता" है, जिसका सर्वाधिक प्रयोग यीशु ने किया जब वह उसका सन्दर्भ देता था|

- परमेश्वर का अस्तित्व पिता परमेश्वर, पुत्र परमेश्वर और पवित्र आत्मा परमेश्वर में है। हर एक पूर्ण परमेश्वर होते हुए भी तीनों एक ही परमेश्वर हैं। यह एक ऐसा भेद है जिसे मनुष्य पूर्णतः समझ नहीं सकता।
- पिता परमेश्वर ने पुत्र परमेश्वर (यीशु) को संसार में भेजा और उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा को भेजा।
- जो पुत्र परमेश्वर में विश्वास करता है वह पिता परमेश्वर की सन्तान बन जाता है और पवित्र आत्मा परमेश्वर उसमें वास करने लगता है। यह एक और भेद है जिसे मनुष्य पूर्णतः समझ नहीं सकता।

अनुवाद के सुझाव:

- “पिता परमेश्वर” इस उक्ति के अनुवाद में सर्वोत्तम युक्ति यो यह होगी कि लक्षित भाषा में जो शब्द सांसारिक पिता के लिए काम में लिया जाता है उसी कप "पिता" शब्द के स्थान में काम में लिया जाए|
- “स्वर्गीय पिता” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “पिता जो स्वर्ग में है” या “पिता परमेश्वर जो स्वर्ग में वास करता है” या “हमारा स्वार्गिक पिता” है।
- जब "पिता" शब्द का सन्दर्भ परमेश्वर से हो तब प्रायः "पिता" शब्द को बड़े अक्षरों में लिखा जाता है|

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: पूर्वजों, परमेश्वर, स्वर्ग, पवित्र आत्मा, यीशु, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 8:4–6
- 1 यूह. 2:1

1 यूह. 2:23

- 1 यूह. 3:1
- कुलुस्सियों 1: 1–3
- इफिसियों 5: 18–21
- लूका 10:22
- मत्ती 5:16
- मत्ती 23:9

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **24:9** केवल एक ही परमेश्वर है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने **पिता परमेश्वर** को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा ।
- **29:9** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा **पिता जो स्वर्ग में है** , तुम से भी वैसा ही करेगा"
- **37:9** फिर यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा और कहा, " **पिता**, मुझे सुनने के लिए धन्यवाद।"
- **40:7** तब यीशु ने पुकार कर कहा, “पूरा हुआ! हे **पिता**, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें **पिता**, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
- **43:8** “यीशु अब महिमा में **पिता परमेश्वर** के दाहिनी ओर बैठा है।"
- **50:10** तब धर्मीलोग अपने **पिता परमेश्वर** के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0001, H0002, G39620

परम्परा

परिभाषा:

परम्परा, प्रथाएं एवं अभ्यास थे जो दीर्घकालीन व्यवहारगत रहे और आनेवाली पीढ़ियों को दिए गए।

- बाइबल में "परम्पराओं" शब्द शब्द का सन्दर्भ प्रायः मानव रचित शिक्षाओं और अभ्यासों से है जो परमेश्वर की व्यवस्था नही थी। यह अभिव्यक्ति, "मनुष्यों की परंपरा" या "मानवीय परंपरा" इस को स्पष्ट करती है।
- यह वाक्यांश जैसे, "पूर्वजों की परंपराओं" या "पितरों की परंपराओं" का सन्दर्भ विशेष करके उन यहूदी प्रथाओं और अभ्यासों से है जिनको यहूदी अगुओं ने समय के अंतराल में मूसा प्रदत्त परमेश्वर की व्यवस्था में जोड़ दिया था यद्यपि, ये अनुषांगिक परम्पराएं परमेश्वर प्रदत्त नहीं थीं, मनुष्यों में एक धारणा थी कि धार्मिकता के लिए ये आवश्यक थीं।
- प्रेरित पौलुस ने “परम्परा” को अलग तरीके से उपयोग किया जो पत्मेश्वर प्रदत्त मसीही आचरण के सन्दर्भ में शिक्षाओं के सम्बन्ध में थीं और उसने तथा अन्य प्रेरितों ने नव्विश्वासियों को उनकी शिक्षा दी थी।
- आधुनिक समय में, कई मसीही परंपराएं हैं जो बाइबल में सिखाई नहीं गई हैं| वे परम्पराओं और अभ्यासों के ऐतिहासिक स्वीकरण का परिणाम हैं। इन परम्पराओं का अवलोकन बाइबल में निहित परमेश्वर की शिक्मेंषाओं के प्रकाश में की जाना आवश्यक है।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास, मसीही विश्वासी, पूर्वजों, पीढ़ी, यहूदी, व्यवस्था, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 3:6–9
- कुलुस्सियों 2:8
- गलातियों 1:13–14
- मरकुस 7:2
- मत्ती 15:3

शब्द तथ्य:

- स्त्रोंग्स: G38620

परिज्जी

तथ्य:

परिज्जी जाति कनान की अनेक जातियों में से एक थी। इस जाति के बारे में अधिक जानकारी नहीं है कि उनके पूर्वज कौन थे और वे कनान के किसी भाग में रहते थे।

- परिज्जियों की चर्चा पुराने नियम की पुस्तक यहोशू में बहुत की गई है, वहां लिखा है कि परिज्जियों ने इस्राएलियों से विवाह किया और उन्हें मूर्ति-पूजा के लिए प्रभावित किया।
- ध्यान दें कि परेज का कुल जिसे परिज्जी कहा गया है वह परिज्जी जाति से भिन्न है। यहां आवश्यक है कि दोनों की वर्तनियों में अन्तर रखें कि यह भेद स्पष्ट हो।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, झूठे देवता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 9:20–21
- 2 इतिहास 8:7–8
- निर्गमन 3:16–18
- उत्पत्ति 13:7
- यहोशू 3:9–11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6522

परिवार

परिभाषा:

“परिवार” शब्द रक्त संबन्धियों के समूह का संदर्भ देता है, प्रायः माता-पिता और सन्तान। बाइबल में, इस शब्द में अन्य सदस्य भी होते हैं जैसे दादा-दादी, पोता-पोती, चाचा-चाची आदि।

- बाइबिल के समय में, आमतौर पर, सबसे बुजुर्ग व्यक्ति एक परिवार का प्रमुख अधिकार होता था।
- परिवार में सेवक, रखेलियाँ और परदेशी भी होते थे।
- कुछ भाषाओं में एक व्यापक शब्द होता है जैसे “कुल” या “कुटुम्ब” जो उन परिप्रेक्षों में अधिक उचित होंगे जहाँ अभिप्राय मात्र माता-पिता और सन्तान से अधिक सदस्यों का हो।
- आत्मिकता में संघटित जन जैसे यीशु के विश्वासियों (कलीसिया) को परमेश्वर का परिवार कहा जाता था।

(यह भी देखें: कुल, पूर्वजों, घर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 8:1–2
- 1 शमूएल 18:18
- निर्गमन 1:21
- यहोशू 2:12–13
- लूका 2:4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0001, H0251, H0272, H0504, H1004, H1121, H2233, H2859, H2945, H3187, H4138, H4940, H5387, H5712, G10850, G36140, G36240, G39650

परिश्रम

परिभाषा:

परिश्रम अर्थात किसी भी प्रकार का कठिन कार्य करना।

- सामान्यतः परिश्रम करना अर्थात शारीरिक ऊर्जा निवेश करने वाला कोई भी काम| इसका अभिप्रेत अर्थ है, कार्य कठिन है।
- श्रमिक वह मनुष्य है जो कैसा भी परिश्रम करता है।
- अंग्रेज़ी भाषा में "labor" प्रसव क्रिया को भी कहते हैं| अन्य भाषाओं में इसके लिए सर्वथा भिन्न शब्द होगा|
- "परिश्रम" शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "श्रम" या "कठोर परिश्रम" या "कठिन कार्य" या "कठोर परिश्रम करना"

(यह भी देखें: कठोर, प्रसव पीड़ा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 2:9
- 1 थिस्सलुनीकियों 3:5
- गलातियों 4:10–11
- याकूब 5:4
- यूहन्ना 4:38
- लूका 10:2
- मत्ती 10:10

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3018, H3021, H3022, H3205, H4522, H4639, H5447, H5450, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4866, G4904

परीक्षा

परिभाषा:

“परीक्षा” शब्द का सन्दर्भ उस परिस्थिति से है जिसमें कोई वस्तु या मनुष्य का अर्थ है किसी वस्तु या मनुष्य को “परखा” या “जांचा” जाता है।

- अभियोग अर्थात् न्यायिक सुनवाई जिसमें मनुष्य को दोषी या निर्दोष सिद्ध करने के लिए प्रमाणों को प्रस्तुत किया जाता है।
- परमेश्वर द्वारा मनुष्य के विश्वास को परखने के लिए उत्पन्न की गई कठिन परिस्थितियों को भी “परीक्षा” कहा जाता है। इसके लिए अन्य शब्द है "परखना" या "प्रलोभन" जो विशेष प्रकार की परीक्षा है।
- बाइबल में अनेक मनुष्यों की परीक्षा ली गई थी कि परमेश्वर के प्रति उनके विश्वास एवं आज्ञाकारिता का निश्चय किया जाए। वे नाना प्रकार की परीक्षाओं से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, बन्दीगृह में डाले जाना या विश्वास के कारण घात भी किए जाना।

(यह भी देखें: परीक्षा करना, परखा जाना, निर्दोष, दोष)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 4:34
- यहेजकेल 21:12–13
- विलापगीत 3:58–61
- नीतिवचन 25:7–8

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3986

परीक्षा करना

परिभाषा:

किसी को परीक्षा में डालने का अर्थ है कि उससे गलत काम करवाना.

पर्व

- परीक्षा में मनुष्य को गलत काम करने की प्रेरणा मिलती है.
- मनुष्य अपने पापी स्वभाव से या अन्य मनुष्यों द्वारा परीक्षा में गिरते हैं.
- शैतान भी मनुष्यों को परमेश्वर की अवज्ञा औरअनुचित कार्यों द्वारा परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने की परीक्षा में डालता है.
- शैतान ने यीशु की परीक्षा ली थी और उसने अनुचित काम करवाने का प्रयास किया था परन्तु यीशु ने उसकी परीक्षाओं पर जय पाकर पाप नहीं किया.
- मनुष्य "परमेश्वर की परीक्षा" लेता है तो वह उससे कुछ गलत करवाने की कोशिश नहीं करता है, बल्कि वह हठीली अवज्ञा करता है, यहाँ तक कि परमेश्वर उसको दंड देने पर विवश हो. यह भी परमेश्वर की परिक्षा लेना कहलाता है.

अनुवाद के सुझाव:

- "परीक्षा करना" का अनुवाद "पाप करवाने का प्रयास करना" या "प्रलोभन देना" या "पाप करने की अभिलाषा जगाना."
- "परीक्षा" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परीक्षा में गिरानेवाली बातें" या "किसी को पाप का लालच देने वाली बातें" या "ऐसी बातें जो अनुचित काम करने की अभिलाषा उत्पन्न करें."
- परमेश्वर की परीक्षा के संदर्भ में इसका अनुवाद "परमेश्वर को परखना" या "परमेश्वर को जांचना" या "परमेश्वर के धीरज को परखना" या "परमेश्वर द्वारा दण्ड का कारण होना" या "हठीले हो कर परमेश्वर की अवज्ञा करते रहना."

(यह भी देखें: आज्ञा न मानना, शैतान, पाप, परीक्षा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4–5
- इब्रानियों 04: 15
- याकूब 01:13
- लूका 04:02
- लूका 11:04
- मत्ती 26:41

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **25:1** तब शैतान यीशु से पाप कराने के लिये उसकी **परीक्षा करने** आया.
- **25:8** यीशु शैतान के _लालच में _नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया.
- **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे प्रार्थना करते रहें कि **परीक्षा** में न पड़ें.

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H974, H4531, H5254, G551, G1598, G3985, G3986, G3987

पर्व

परिभाषा:

"पर्व" शब्द का अर्थ अति सामान्य है, जिसका सन्दर्भ ऐसे कार्यक्रम से है जिसमें जनसमूह उत्सव मनाने के उद्देश्य से एक वृहत भोज में सहभागी होता है। बैबले के युग में भोज कई दिन वरन अधिक समय तक चलता था।

पर्व

- पर्व विशेष में भोजन परिस्थिति के अनुकूल विशेष होते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को जिन धार्मिक पर्वों को मनाने की आज्ञा दी थी उनमें अधिकतर सहभागिता भोज होते थे। यही कारण है कि उत्सवों को पर्व कहा गया था।
- बाइबल के युग में राजा और अन्य धनवान, प्रतिष्ठित जन अपने परिवार या मित्रों का अतिथि सत्कार करने के लिए अधिकतर भोज का आयोजन करते रहते थे।
- ऊडाऊ पुत्र की कहानी में पिता ने पुत्र के लौट आने के उपलक्ष में विशेष भोज का आयोजन किया था।
- "पर्व मनाना" का अनुवाद हो सकता है, "बहुत अधिक खाना" या "बहुत खाकर उत्सव मनाना" या "विशेष व्यापक भोजन करना।""
- प्रकरण के अनुसार "पर्व" का अनुवाद हो सकता है, "विशाल भोज के साथ उत्सव मनाना" या "नाना विविध व्यंजनों का भोजन करना" या "उत्सव का भोज।"

(यह भी देखें: पर्व)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 02:12–14
- उत्पत्ति 26:30
- उत्पत्ति 29:22
- उत्पत्ति 40:20
- यहूदा 01:12–13
- लूका 02:43
- लूका 14:7–9
- मत्ती 22:01

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H398, H2077, H2282, H3899, H3900, H4150, H4797, H4960, H7646, H8057, H8354, G26, G1062, G1173, G1859, G2165, G4910

पर्व

परिभाषा:

सामान्यतः किसी जन समुदाय द्वारा उत्सव मनाने को पर्व कहते हैं।

- पुराने नियम में "पर्व" का मूल अर्थ था "नियुक्त समय"
- इस्राएल के पर्व परमेश्वर द्वारा नियुक्त समय एवं ऋतुएं थे जिसके पालन की आज्ञा परमेश्वर ने उन्हें दी थी।
- कुछ अंग्रेजी अनुवादों में "पर्व" के स्थान में भोज शब्द का उपयोग किया गया है क्योंकि पर्वों में विशाल भोज का आयोजन किया जाता था।
- इस्राएल के अनेक मुख्य पर्व थे जिन्हें वे प्रति वर्ष मनाया करते थे:
- फसह
- अखमीरी रोटी का पर्व
- पहले फल
- सप्ताहों का पर्व (पिन्तेकुस्त)
- तुरहियों का पर्व
- प्रायश्चित का दिन
- झोपड़ियों का पर्व
- इन पर्वों का उद्देश्य था परमेश्वर को धन्यवाद देना और उसकी प्रजा के उद्धार, सुरक्षा और प्रावधानों के निमित्त उसके आश्चर्यकर्मों को स्मरण करना।

(यह भी देखें: उत्सव)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:31
- 2 इतिहास 8:13
- निर्गमन 5:1
- यूहन्ना 4:45
- लूका 22:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1974, H2166, H2282, H2287, H6213, H4150, G14560, G18580, G18590

पलिश्तियों

तथ्य:

पलिश्ती एक जाति थी जो भूमध्य सागर के तट पर पलिश्तीन देश में वास करती थी। इस नाम का अर्थ है, "समुद्री लोग"

- पलिश्तियों के पांच मुख्य नगर थे: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गत और गाज़ा।
- अश्दोद नगर पलिश्तीन के उत्तर में था और गाज़ा नगर दक्षिण में था।
- पलिश्ती इस्राएल के साथ वर्षों युद्ध करने के कारण चिरपरिचित हो गए थे।
- शिमशोन, एक न्यायी पलिश्तियों से युद्ध करने के लिए प्रसिद्ध था, वह परमेश्वर की अलौकिक शक्ति का उपयोग करता था।
- राजा दाऊद ने भी पलिश्तियों के साथ अनेक युद्ध किए थे, उसने अपनी युवावस्था में पलिश्तियों के दानव गोलियत को हराया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोन, दाऊद, एक्रोन, गत, गाज़ा, गोलियत, खारे ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:9–11
- 1 शमूएल 13:4
- 2 इतिहास 09:25–26
- उत्पत्ति 10:11–14
- भजन संहिता 56:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6429, H6430

पलिश्तीन

परिभाषा:

पलिश्तीन कनान में एक वृहत्त क्षेत्र का नाम था और भूमध्य-सागर के तट पर बसा हुआ था।

- यह एक उपजाऊ तटीय मैदान था जो उत्तर में याफा और दक्षिण में गाज़ा तक फैला हुआ था। यह 64 किमी. लम्बा और 16 किमी. चौड़ा प्रदेश था।
- पलिश्तीन देश पलिश्तियों का निवास था, यह एक शक्तिशाली जाति थी जो सदैव ही इस्राएल के बैरी रहे थे।

(यह भी देखें: पलिश्ती, गाज़ा, याफा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 10:9–10
- योएल 03:4–6
- भजन संहिता 060:8–9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H776 H6429 H06430

पवित्र

परिभाषा:

"पवित्र" और पवित्रता" का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

- केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
- पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
- जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
- मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
- पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
- परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "परमेश्वर के लिए पृथक" या "परमेश्वर का" या "पूर्णतः शुद्ध" या "सिद्धता में निष्पाप" या "पाप से पृथक"।
- "पवित्र करना" का अनुवाद प्रायः "शोधन" होता है। इसका अनुवाद "परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, पवित्र करना, शोधन, पृथक करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 28:22
- 2 राजा 03:02
- विलापगीत 04:01
- यहेजकेल 20:18–20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- प्रे.का. 07:33
- प्रे.का. 11:08
- रोमियों 01:02
- 2 कुरिन्थियों 12:3–5
- कुलुसियों 01:22
- 1 थिस्लुनिकियों 03:13
- 1 थिस्लुनिकियों 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:15

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे **पवित्र** बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
- **09:12** "जिस स्थान पर तू खड़ा है वह **पवित्र** भूमि है।"
- **13:02** ,"इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और **पवित्र** जाति ठहरोगे।"
- **13:05** तू सब्त के दिन को **पवित्र** मानने के लिये स्मरण रखना।
- **22:05**"इसलिये वह **पवित्र** जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।"
- **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो **पवित्र** हो तथा उसे आदर देता हो।

शब्द तथ्य:

पवित्र आत्मा

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

पवित्र आत्मा

तथ्य:

ये सब शब्द पवित्र आत्मा के संदर्भ में है जो स्वयं परमेश्वर है। एकमात्र सच्चा परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा अनंत है।

- पवित्र आत्मा को "आत्मा" या "यहोवा का आत्मा" या "सत्य का आत्मा" भी कहा गया है।
- क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर है वह अपने गुण एवं कार्यों में परमपवित्र है, अपने सब कार्यों में अनंत शुद्धता और नैतिक सिद्धता में है।
- पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा भी जगत की रचना में सक्रिय था।
- परमेश्वर पुत्र यीशु जब स्वर्ग लौट गया तब उसने अपने लोगों के लिए पवित्र आत्मा भेजा कि उनकी अगुवाई करे, उन्हें शिक्षा दे, उन्हें शान्ति दे और परमेश्वर की इच्छा पूर्ति के योग्य बनाए।
- पवित्र आत्मा यीशु की अगुआई करता था तथा यीशु में विश्वास करने वालों का भी मार्गदर्शन करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "पवित्र" और "आत्मा" के अनुवाद करने वाले शब्दों के द्वारा किया जा सकता है।
- इस शब्द का अनुवाद, "शुद्ध आत्मा", या "आत्मा जो पवित्र है" या "परमेश्वर जो आत्मा है" आदि के द्वारा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पवित्र, आत्मा, परमेश्वर, प्रभु, पिता परमेश्वर, परमेश्वर का पुत्र,भेंट)

पवित्र आत्मा

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 10:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 4:7–8
- प्रे.का. 8:17
- गलातियों 5:25
- उत्पत्ति 1:1–2
- यशायाह 63:10
- अय्यूब 33:4
- मत्ती. 12:31
- मत्ती. 28:18–19
- भजन-संहिता 51:10–11

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **1:1** लेकिन **परमेश्वर का आत्मा** वहाँ जल के ऊपर थी।
- **24:8** और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और उसने **परमेश्वर का आत्मा** को कबूतर के समान उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- __26:1__शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु **पवित्र आत्मा** की शक्ति में गलील को लौट आया, जहाँ वह रहता था।
- **26:3** यीशु ने पढ़ा, " **प्रभु का आत्मा** मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टी पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओ को मुक्त करूँ।"
- **42:10** तुम जाओ, और सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और पिता और पुत्र और **पवित्र आत्मा** के नाम में उन्हें बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है मानना सिखाओ|"
- **43:3** वे सब **पवित्र आत्मा** से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।

- **43:8** "और यीशु ने _पवित्र आत्मा_ उंडेल दिया है जैसी उसने प्रतिज्ञा की थी। **पवित्र आत्मा** इन सब का कर्ता है, जो तुम देखते और सुनते हो।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे पापों को क्षमा करेगा। तब वह तुम्हें **पवित्र आत्मा** का दान देगा।।"
- **45:1** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा प्रतिष्ठित मनुष्य था और **पवित्र आत्मा** और ज्ञान से भरा था।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G00400, G41510

पवित्र करना

परिभाषा:

पवित्र करना का अर्थ है, परमेश्वर की सेवा हेतु किसी वस्तु या मनुष्य को समर्पित करना। जिस मनुष्य या वस्तु का पवित्रीकरण संस्कार कर दिया गया उसे पवित्र और परमेश्वर के लिए पृथक माना जाता था।

- इस शब्द का अर्थ “पवित्र करने” जैसा ही है परन्तु इसका अतिरिक्त अर्थ है, किसी को विधिवत परमेश्वर की सेवा हेतु पृथक करना।
- परमेश्वर के लिए पृथक की गई वस्तुओं में बलि के पशु, होमबलि की वेदी तथा निवास का मण्डप थे।
- परमेश्वर के लिए मनुष्यों का भी पवित्रीकरण संस्कार किया जाता था जिनमें थे, याजक, इस्राएली प्रजा तथा पहिलौठे।
- कभी-कभी “पवित्रीकरण” शब्द का अर्थ “शुद्धिकरण” भी होता था। विशेष करके जब मनुष्य या वस्तुओं को परमेश्वर की सेवा के लिए तैयार किया जाता था जिससे कि वे शुद्ध होकर परमेश्वर को ग्रहण योग्य हों।

अनुवाद के सुझाव:

- “पवित्र करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की सेवा के लिए अलग करना" या "परमेश्वर की सेवा के लिए शुद्ध करना।”
- "पवित्र" और "शुद्ध करना" का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दे।

(यह भी देखें: पवित्र, चोखे, पवित्र करने)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 4:3–5
- 2 इतिहास 13:8–9
- यहेजकेल 44:19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2763, H3027, H4390, H4394, H5144, H5145, H6942, H6944, G1457, G5048

पवित्र नगर

परिभाषा:

बाइबल में पवित्र नगर यरूशलेम के संदर्भ में आता है।

- यह उक्ति यरूशलेम के प्राचीन नगर तथा स्वर्गिक यरूशलेम के लिए भी काम में ली गई है जहां परमेश्वर स्वयं वास करके अपने लोगों के मध्य राज करेगा।
- इस उक्ति के अनुवाद में "पवित्र" और "नगर" के अर्थों की संधि करके लिखा जा सकता है जिसे शेष अनुवाद में ज्यों का त्यों रखा जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, पवित्र, यरूशलेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 04:5–6
- मत्ती 27:51–53
- प्रकाशितवाक्य 21:1–2
- प्रकाशितवाक्य 21:9–10
- प्रकाशितवाक्य 22:18–19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5892, H6944, G40, G4172

पवित्रस्थान

परिभाषा:

बाइबल में "पवित्रस्थान" और "परम पवित्रस्थान" मिलापवाले तम्बू या मन्दिर के दो कक्षों के संदर्भ में आते हैं।

- "पवित्र स्थान" पहला कक्ष था जिसमें धूप जलाने की वेदी और भेंट की रोटियाँ रखने की मेज थी।
- "परम पवित्र स्थान" अन्तरतम कक्ष या जिसमें वाचा का सन्दूक रखा हुआ था।
- एक मोटी, भारी पर्दे बाहरी कक्ष को भीतरी कक्ष से अलग करता है।
- परमपवित्र स्थान में केवल महायाजक प्रवेश कर सकता था।
- कभी-कभी पवित्र स्थान संपूर्ण मन्दिर या मिलापवाले तम्बू के लिए काम में लिया गया है। कभी-कभी पवित्र स्थान परमेश्वर की लिए पृथक किए गए किसी भी स्थान के संदर्भ में होते हैं।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "पवित्र स्थान" का अनुवाद "परमेश्वर के लिए पृथक किया गया कक्ष" या "परमेश्वर से भेंट करने का विशेष कक्ष" या "परमेश्वर का आरक्षित स्थान"
- "परम पवित्र स्थान" का अनुवाद "परमेश्वर के लिए सर्वथा पृथक कक्ष" या "परमेश्वर से भेंट करने का अति विशेष कक्ष"
- प्रकरण के अनुसार "पवित्र स्थान" का अनुवाद "परमेश्वर का अभिषिक्त स्थान" या "परमेश्वर द्वारा पृथक किया गया स्थान" या "मन्दिर में पवित्र स्थान" या "परमेश्वर के मन्दिर का परिसर"।

(यह भी देखें: धूप जलाने की वेदी, वाचा का सन्दूक, रोटी, पवित्र ठहरना, आंगन, परदा, पवित्र, पृथक करना, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:16–18
- प्रे.का. 06:12–15
- निर्गमन 26:31–33
- निर्गमन 31:10–11
- यहेजकेल 41:1–2
- एज्रा 09:8–9
- इब्रानियों 09:1–2
- लैव्यव्यवस्था 16:17–19
- मत्ती 24:15–18
- प्रकाशितवाक्य 15:5–6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1964, H4720, H4725, H5116, H6918, H6944, G39, G40, G3485, G5117

पवित्रस्थान

परिभाषा:

"पवित्र-स्थान" का मूल अर्थ है, "पावन स्थल" और इसका संदर्भ उस स्थान से है जिसे परमेश्वर ने पावन एवं पवित्र बनाया। इसका संदर्भ सुरक्षा एवं रक्षा प्रदान करने के स्थान से भी हो सकता है।

- पुराने नियम में "पवित्र-स्थान" प्रायः निवास के मण्डप या मन्दिर के लिए काम में लिया जाता था जिनमें "पवित्र-स्थान" और "परमपवित्र-स्थान" थे।
- परमेश्वर पवित्र-स्थान को अपनी प्रजा इस्राएल के मध्य अपने निवास का स्थान कहता था।
- वह स्वयं को भी "पवित्र-स्थान" या अपने लोगों के लिए एक सुरक्षित स्थान कहता था जहां उन्हें सुरक्षा प्राप्त थी।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का मूल अर्थ है, "पवित्र-स्थान" या "वह स्थान जो पृथक किया गया है।"
- प्रकरण के अनुसार "पवित्र-स्थान" शब्द का अनुवाद "पावन स्थल" या "पवित्र भवन" या "परमेश्वर का पवित्र निवास" या "सुरक्षा का पवित्र स्थान" या "सुरक्षा का पावन स्थल" भी किया जा सकता है।
- "पवित्र स्थान का शेकेल" का अनुवाद हो सकता है "निवास के मण्डप के लिए दिए गए शेकेल के जैसा" या "मन्दिर के रख-रखाव हेतु कर स्वरूप दिया जाने वाला शेकेल।"
- टिप्पणी: सावधान रहें कि इस शब्द का अनुवाद आज के आराधनालय के आराधना स्थल का अर्थ प्रकट न करे।

(यह भी देखें: पवित्र, पवित्र आत्मा, पवित्र, पृथक करना, तम्बू, कर, मन्दिर,)

बाइबल के सन्दर्भ:

- आमोस 7:12–13
- निर्गमन 25:3–7
- यहेजकेल 25:3
- इब्रानियों 8:1–2
- लूका 11:49–51
- गिनती 18:1
- भजन संहिता 78:69

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4720, H6944, G39

पशु

तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” के लिए प्रयुक्त दूसरा शब्द है।

- जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
- घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
- पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है। (देखें: रूपक)
- इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
- इसका अनुवाद संदर्भ के आधार पर हो सकता है, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अधिकार, दानिय्येल, पशुधन, जाति, सामर्थ्य, प्रकट करना, बालज़बूल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:32
- 1 शमूएल 17:44
- 2 इतिहास 25:18
- यिर्मयाह 16:1–4
- लैव्यव्यवस्था 7:21
- भजन संहिता 49:12–13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H0338, H0929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

पशु

तथ्य:

"पशु" उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

- पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
- पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
- इसका अनुवाद, "पालतू पशु" भी किया जा सकता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गाय, गदहे, बकरा, घोड़ा, बैल, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 03:15–17
- उत्पत्ति 30:29–30
- यहोशू 01:14–15
- नहेम्याह 09:36–37
- गिनती 01:17–19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H929, H4399, H4735

पहर

परिभाषा:

बैबल में, "पहर" शब्द प्रायः उस समय को दर्शाने के लिए काम में लिया जाता है जब कोई घटना घटती है। इसका उपयोग लाक्षणिक परिप्रेक्ष्य में भी होता है जिसका अर्थ "समय" या "पल" दर्शाने के लिए भी किया जाता है।

- यहूदी दिन को सूर्योदय से गिनते थे। (लगभग सुबह 6 बजे) उदाहरण के तौर पर, "नौवें घन्टे" अर्थात दोपहर के लगभग तीन बजे।
- रात का समय सूर्यास्त के समय (लगभग संध्या 6 बजे) से गिना जाता था। उदाहरणार्थ "रात के तीसरे पहर" अर्थात आज के प्रणाली में "रात में नौ बजे के लगभग"।
- क्योंकि बाइबल में समय का संदर्भ आज की समय पद्धति के अनुकूल नहीं होगा। अतः "लगभग नौ बजे" या "लगभग छः बजे" जैसी अभिव्यक्तियां काम में ली जा सकती हैं।
- कुछ अनुवादों में ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे "संध्या समय" या "प्रातःकाल के समय" या "दोपहर के समय" कि दिन के समय को स्पष्ट किया जाए।
- "उस घड़ी में" का अनुवाद हो सकता है, "उस समय" या "उस पल"
- यीशु के संदर्भ में "घड़ी आ पहुंची है" का अनुवाद हो सकता है, "उसका समय आ गया है कि" या "उसका निर्धारित समय आ चुका है"।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 2:15
- यूहन्ना 4:51–52
- लूका 23:44
- मत्ती 20:3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H8160, G56100

पहर(बाइबल का समय)

परिभाषा:

बाइबल के युग में "पहर" रात का एक समय था जिस समय नगर का पहरूआ या सुरक्षाकर्मी बैरी के संकट की चौकसी करता था।

पहली उपज

- पुराने नियम में इस्राएल के लिए तीन पहर होते थे, पहला, सूर्यास्त से रात्रि 10 बजे तक, दूसरा रात्रि दस बजे से 2 बजे तक, और भोर, 2 बजे से सूर्योदय तक।
- नये नियम में यहूदी रोमी पद्धति पर चलने लगे थे जिसमें रात चार पहरों में विभाजित थी, पहला (सूर्यास्त से रात्रि 9 बजे तक), दूसरा (रात्रि 9 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक), तीसरा (मध्यरात्रि 12 बजे से सुबह 3 बजे तक) और चौथा (3 बजे से सूर्योदय तक)।
- इसका अनुवाद अधिक सामान्य रूप में "उत्तरकालीन संध्या" या "मध्यरात्रि" या "भोर के समय" जो निर्भर करता है कि किस पहर की चर्चा की जा रही है।

(यह भी देखें: पहर)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 12:37–38
- मरकुस 6:48–50
- मत्ती 14:25–27
- भजन संहिता 90:3–4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0821, G54380

पहली उपज

परिभाषा:

"पहली उपज" अर्थात प्रत्येक मौसम के फल और सब्जियों की पहली फसल का एक अंश।

- इस्राएली परमेश्वर के लिए ये पहले फल आत्मत्याग की भेंट-स्वरूप लाते थे।
- बाइबल में इस उक्ति का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता है, पहलौठा पुत्र परिवार का पहला फल है। क्योंकि वह परिवार में जन्म लेने वाला पहला पुत्र है, वह परिवार का नाम और सम्मान वाहक है।
- यीशु मृतकों में से जी उठा इसलिए वह अपने सब विश्वासियों में पहला फल है क्योंकि वे भी एक दिन मृतकों में से जी उठेंगे।
- यीशु के विश्वासियों को सम्पूर्ण सृष्टि की "पहली उपज" कहा गया है, यीशु ने जिनका उद्धार किया और अपने लोग होने के लिए बुलाया है उनके विशेष सौभाग्य और पद को इसके द्वारा दर्शाया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस उक्ति के यर्थाथ उपयोग का अनुवाद "प्रथम अंश(फसल का)" या "फसल का पहला हिस्सा" किया जा सकता है।
- यदि संभव हो तो, अलग-अलग संदर्भों में अलग-अलग अर्थों दर्शाने के लिए, लाक्षणिक उपयोगों का शाब्दिक अनुवाद ही किया जाना चाहिए। यह शाब्दिक अर्थ और आलंकारिक उपयोगों के बीच के संबंध को भी दिखाएगा।

(यह भी देखें: पहलौठा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 31:4–5
- 2 थिस्सलुनीकियों 2:13
- निर्गमन 23:16–17
- याकूब 1:18
- यिर्मयाह 2:3
- भजन संहिता 105:36

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1061, H6529, H7225, G536

पहले से जान लिया

परिभाषा:

"पहले से जान लिया", या "पूर्व ज्ञान" "पहले से जानना" क्रिया से व्युत्पन्न शब्द है जिसका अर्थ है घटना होने से पूर्व उसका बोध हो जाना।

- परमेश्वर समय से बंधा नहीं है। वह भूत काल, वर्तमान काल और भविष्य की सब बातें जानता है।
- यह शब्द अधिकतर इस संदर्भ में काम में लिया जाता है कि परमेश्वर पहले से ही जानता है कि यीशु को अपना उद्धारकर्ता ग्रहण करने के द्वारा किसका उद्धार होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- "पहले ही से जानता था" का अनुवाद हो सकता है, "पूर्वज्ञान था" या "समय से पहले जानता था" या "पहले से जानता था" या "पहले से ही पता था।"
- "पूर्व ज्ञान" का अनुवाद "पहले से जानना" या "समय से पूर्व जानना" या "जानता ही था" या "समय से पूर्व जानना"।

(यह भी देखें: जानना, पहले से ठहराए गए)

बाइबल सन्दर्भ:

- रोमियो 08:29
- रोमियो 11:2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G42670, G42680

पहले से ठहराना

परिभाषा:

"पहले से ठहराना" या " पहले से ठहराया" इसका संदर्भ समय से पहले निर्णय लेना या योजना बनाना कि कुछ होगा।

- यह शब्द विशेष करके परमेश्वर के संदर्भ में है कि उसने मनुष्यों को समय से पहले ठहरा दिया कि वे अनन्त जीवन पाएं।
- कभी-कभी यह शब्द "पहले से ठहराए" का अर्थ समय से पहले निर्णय लेने के संदर्भ में की काम में लिया जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "पहले से ठहराए" का अनुवाद, "पहले से निर्णय लेना" या "समय से पहले निर्णय लेने" के संदर्भ में होता है।
- "पहले से ठहराए गए" का अनुवाद, "बहुत पहले निर्णय लिया गया" या "समय से पूर्व योजनाबद्ध था" समय से पूर्व निर्णय लिया गया"।
- "पहले से ठहराए गए" का अनुवाद, "बहुत पहले से निर्णय लिया गया कि हम" या "समय से पहले ही निर्णय ले लिया गया कि हम"।
- ध्यान रखें कि इस उक्ति का अनुवाद "पूर्व ज्ञान" से भिन्न हो।

(यह भी देखें: पूर्व ज्ञान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 02:6–7

शब्द तथ्य:

- Strong's: G4309

पहलौठे

परिभाषा:

"पहलौठे" शब्द मनुष्य या पशु के सब बच्चों में सबसे पहले जन्मे बच्चे को कहते हैं।

पहिलौठे का अधिकार

- बाइबल में "पहलौठे" का संदर्भ सबसे पहले जन्म लेनेवाले पुत्र से है।
- बाइबल के युग में सबसे पहले जन्म लेने वाले पुत्र को प्रमुख स्थान दिया जाता था और माता-पिता की सम्पदा में से अन्य पुत्रों की तुलना में दो गुणा भाग दिया जाता था।
- परमेश्वर के लिए जिस पशु की बली चढ़ाई जाती थी वह पशु का पहला नर बच्चा होता था।
- इसका उपयोग रूपक स्वरूप भी किया जा सकता है। उदाहरणार्थ, इस्राएल जाति को परमेश्वर का पहलौठा कहा गया है क्योंकि परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों की तुलना में विशेष सौभाग्य प्रदान किए हैं।
- परमेश्वर के पुत्र, यीशु को पहिलौठा कहा गया है, उसके महत्व और सब मनुष्यों पर उसके अधिकार के कारण।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि पहलौठा अभिलेख में अकेला शब्द है तो इसका अनुवाद हो सकता है, "पहलौठा पुरुष" या "पहलौठा पुत्र" क्योंकि इसका अभिप्राय यही है। (देखें: ग्रहण ज्ञान और अंतर्निहित सूचना)
- इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "बेटा जो पहले पैदा हुआ" या "सबसे बड़ा बेटा" या "पहला बेटा"।
- यीशु के लिए लाक्षणिक प्रयोग में इसका अनुवाद, एक ऐसे शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, "पुत्र जो सब कुछ पर अधिकार रखता है" या "पुत्र, जो सम्मान में पहला है।"
- सावधान: सुनिश्चित करें कि यीशु के सन्दर्भ में इस शब्द के अनुवाद से ऐसा न लगे कि वह सृजा गया था।

(यह भी देखें: अधिकारी होना, बलि, पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 1: 15
- उत्पत्ति 4:3–5
- उत्पत्ति 29:26–27
- उत्पत्ति 43:33
- लूका 2:6–7
- प्रकाशितवाक्य 1:5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1060, H1062, H1067, H1069, G4416, G5207

पहिलौठे का अधिकार

परिभाषा:

"पहिलौठे का अधिकार" बाइबल में सम्मान, पारिवारिक नाम, सम्पदा, का बोध करवाता है जो प्रथम पुत्र को दिया जाता है।

- प्रथम पुत्र के पहिलौठे होने के अधिकार में पिता की वसीयत का दो गुणा भाग होता था।
- राजा के पहिलौठे को पिता के मृत्यु के बाद राज करने का अधिकार प्राप्त था।
- एसाव ने अपने छोटे भाई याकूब को अपना पहिलौठे का अधिकार बेच दिया था। इस कारण एसाव के स्थान में याकूब को पहिलौठे की आशिषें मिलीं।
- पहिलौठे के अधिकार में पहिलौठे का सम्मान होता है कि परिवार के सब वंशजों को पहिलौठे का नाम मिले।

अनुवाद के सुझाव:

- "पहिलौठे का अधिकार" के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "प्रथम पुत्र के अधिकार और सम्पदा" या "पारिवारिक सम्मान" या "प्रथम पुत्र के सौभाग्य और उत्तराधिकार"

(यह भी देखें: पहिलौठे, उत्तराधिकार में पाना, वंशज)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 05:1–3
- उत्पत्ति 25:31–34
- उत्पत्ति 43:32–34
- इब्रानियों 12:14–17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1062, G4415

पाँवों की चौकी

परिभाषा:

"पाँवों की चौकी" बैठते समय पाँवों को आराम देने के लिए रखने की चौकी। इस उक्ति का प्रतीकात्मक अर्थ है, अधीन रहना या कनिष्ठ पद।

- बाइबल के युग में पाँवों को शरीर का सबसे तुच्छ अंग माना जाता है। अतः पाँवों की चौकी और भी अधिक तुच्छ वस्तु थी, क्योंकि उस पर पाँव रखे जाते थे।
- परमेश्वर कहता है, मैं अपने शत्रुओं को अपने पाँवों की चौकी कर दूँगा तो वह विद्रोहियों पर अपने सामर्थ्य, नियंत्रण और विजय की घोषणा कर रहा है। वे पराजित होकर इतने दीन हो जाएंगे कि परमेश्वर की इच्छा के अधीन समर्पण कर देंगे।
- "परमेश्वर के पाँवों की चौकी पर आराधना करना" अर्थात परमेश्वर सिंहासन पर बैठा है और उपासक उसके चरणों में दण्डवत् करता है। उसके द्वारा परमेश्वर के समक्ष दीनता एवं आत्म समर्पण प्रकट होता है।
- दाऊद मन्दिर को परमेश्वर के पाँवों की चौकी कहता है। इसका संदर्भ उसके अपने लोगों पर उसके संपूर्ण अधिकार से है। यह सिंहासन पर बैठे परमेश्वर का चित्रण भी है जिसके पाँव चौकी पर रखे हुए हैं जो उसके अधीन सबका समपर्ण दर्शाता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:49
- यशायाह 66:1
- लूका 20:43
- मत्ती 5:35
- मत्ती 22:44
- भजन संहिता 110:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1916, H3534, H7272, G4228, G5286

पाप

परिभाषा:

"पाप" शब्द का सन्दर्भ परमेश्वर विरोधी कार्यों, विचारों तथा शब्दों से है। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

- वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
- विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते "पापी" कहलाते हैं।
- क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, यह स्वभाव है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उनसे पाप करवाता है।
- “पापी” अर्थात पाप करनेवाला मनुष्य, अतः हर एक मनुष्य पापी हैं।
- कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, वरन फरीसियों के विचार के अनुसार जीवन निर्वाह नहीं करनेवालों के लिए भी।
- “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

अनुवाद के सुझाव:

- “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
- “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
- प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”

- “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “अनैतिक मनुष्य”
- “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य (यहाँ तक कि) चुंगी लेने वाले मनुष्य”
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार समाहित हों, यहां तक कि वह भी जिनको मनुष्जोय नतो देख सकते हैं और न ही जान सकते हैं।
- "पाप" शब्द सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए काम में लिए गए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: अवज्ञा, दुष्ट, देह, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 9:1–3
- 1 यूहन्ना 1:10
- 1 यूहन्ना 2:2
- 2 शमूएल 7:12–14
- प्रे.का. 3:19
- दानिय्येल 9:24
- उत्पत्ति 4:7
- इब्रानियों 12:2
- यशायाह 53:11
- यिर्मयाह 18:23
- लैव्यव्यवस्था 4:14
- लूका 15:18
- मत्ती 12:31
- रोमियो 6:23
- रोमियो 8:4

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **3:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से **पापी** होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **13:12** परमेश्वर उनके **पाप** के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
- **20:1** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध **पाप** किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई **पाप** नहीं होगा। वह अन्य लोगों के **पाप** के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
- **35:1** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य **पापीयों** को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।

- **38:5** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो **पापों** की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे **पापों** को क्षमा करेगा।
- **48:8** हम सभी हमारे **पापों** के लिए मरने योग्य हैं!
- **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप **पाप** करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने **पापों** को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह **पाप** के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

पापबलि

परिभाषा:

“पापबलि ” उन बलियों में से एक थी जिनकी आज्ञा परमेश्वर ने इस्राएलियों को दी थी।

- इस बलि में बैल की बलि चढ़ानी होती थी, वेदी पर उसका लहू और चर्बी जलाए जाते थे और पशु की लोथ को इस्राएल की छावनी के बाहर धरती पर जला दिया जाता था।
- इस पशु को पूर्णतः भस्म करने का अर्थ था कि परमेश्वर अति पवित्र है और पाप अत्यधिक भयानक है।
- बाइबल की शिक्षा में पाप से शुद्ध होने के लिए लहू का बहाया जाना आवश्यक था जो पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था ।
- पशुबलि पाप के लिए स्थाई क्षमा नहीं उपलब्ध करवा सकती थी।
- क्रूस पर यीशु की मृत्यु ने सदा के लिए पाप का दण्ड चुका दिया। वह एक सिद्ध पापबलि था।

(यह भी देखें: वेदी, गाय, क्षमा, बलि, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 29:20–21
- निर्गमन 29:35–37
- यहेजकेल 44:25–27
- लैव्यव्यवस्था 05:11
- गिनती 07:15–17

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2401, H2402, H2398, H2403

पारान

तथ्य:

पारान मिस्र के पूर्व में और कनान के दक्षिण में रेगिस्तानी या निर्जन प्रदेश था। पर्वत पारान का उल्लेख भी किया गया है जो संभवतः सीनै पर्वत था।

- दासी हाजिरा और उसका पुत्र इश्माएल, सारा और अब्राहम द्वारा निष्कासित किए जाने के बाद पारान के निर्जन प्रदेश में रहे थे।
- मूसा इस्राएलियों को मिस्र से निकाल कर ला रहा था तब उन्होंने पारान का जंगल पार किया था।
- पारान के जंगल में कादेश बर्ने से मूसा ने 12 पुरुषों को कनान में भेजा था कि वहां का भेद लेकर उसे बताएं।
- सीन का जंगल पारान के उत्तर में था और सीन का जंगल पारान के दक्षिण में था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, रेगिस्तान, मिस्र, कादेश, सीनै)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:18–19
- 1 शमूएल 25:1
- उत्पत्ति 21:19–21
- गिनती 10:11–13
- गिनती 13:3–4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H364, H6290

पिन्तेकुस्त

तथ्य:

“सप्ताहों का पर्व” एक यहूदी पर्व है जो फसह के पर्व के पचास दिन बाद मनाया जाता था। जिसे बाद में "पिन्तेकुस्त" कहा गया था।

- सप्ताहों का पर्व, पहले फलों के पर्व के सात सप्ताहों (पचास दिन) बाद मनाया जाता था। नये नियम के युग में इस पर्व को “पिन्तेकुस्त” का पर्व कहते थे जिसके अर्थ में एक भाग “पचास” है।
- सप्ताहों का पर्व अन्न की कटनी के आरंभ के उत्सव में मनाया जाता था। यह वह समय था जब परमेश्वर ने इस्राएल के लिए सर्वप्रथम पत्थर की तख्तियों पर मूसा को व्यवस्था दी थी।
- नये नियम में पिन्तेकुस्त का दिन विशेष करके महत्वपूर्ण था क्योंकि उस दिन यीशु पर विश्वास करनेवालों ने एक नए अनुभव में पवित्र आत्मा प्राप्त किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: पर्व, पहले फल, कटनी, पवित्र आत्मा, जीवित करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 8:12–13
- प्रे.का. 2:1
- प्रे.का. 20:15–16
- व्यवस्थाविवरण 16:16–17
- गिनती 28:26

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2282, H7620, G40050

पिलातुस

तथ्य:

रोमी प्रान्त यहूदिया का प्रशासक पिलातुस था जिसने यीशु को मृत्युदण्ड दिया था.

पिलातुस

- प्रशासक होने के कारण पिलातुस के पास अपराधियों को मृत्यु दण्ड देने का अधिकार था.
- यहूदी धर्म गुरू चाहते थे कि पिलातुस यीशु को मृत्यु-दण्ड दे, अतः उन्होंने यीशु पर झूठा आरोप लगाया कि वह एक अपराधी है.
- पिलातुस समझ गया था कि यीशु ने कोई अपराध नहीं किया है परन्तु वह जनसमूह से डरता था और उन्हें प्रसन्न करना चाहता था, इसलिए उसने सैनिकों को आज्ञा दी कि यीशु को क्रूस पर चढ़ा दें.

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: क्रूस पर चढ़ाना, हाकिम, दोष, यहूदिया, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 04:27–28
- प्रे.का. 13:28
- लूका 23:02
- मरकुस 15:02
- मत्ती 27:13
- मत्ती 27:58

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **39:9** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने यीशु को ले जाकर **पिलातुस** को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था. वे इस आशा में थे कि **पिलातुस** उसे दोषी ठहरा कर उसे मरवा डाले. **पिलातुस** ने यीशु से पूछा, " क्या तू यहूदियों का राजा है?"
- **39:10** **पिलातुस** ने कहा, "सच क्या है?"
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद **पिलातुस** भीड़ में आया, और कहा, "मैं तो इस व्यक्ति में कोई दोष नहीं पाता." परन्तु यहूदी गुरुओं ने और जनसमूह ने चिल्लाकर कहा, "इसे क्रूस पर चढ़ा दे." **पिलातुस** ने कहा, "यह दोषी नहीं है." वह और जोर से चिल्लाने लगे. तब **पिलातुस** ने तीसरी बार कहा, "मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता."
- **39:12** **पिलातुस** डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिको को सौंप दिया.
- **40:2** **पिलातुस** ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर से ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए, "यह यहूदियों का राजा है. "
- **41:2** **पिलातुस** ने कहा, "कुछ सैनिक लो और जाकर कब्र को जितना अधिक सुरक्षित कर सकते हो कर लो."

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G40910, G41940

पिलानेहारा

परिभाषा:

पुराने नियम के युग में "पिलानेहारा" राजा का वह सेवक होता था जो राजा को मदिरा का कटोरा देता था, वह पहले स्वयं मदिरा का स्वाद लेकर निश्चित करता था कि उसमें विष तो नहीं है।

- इसका शाब्दिक अर्थ हो सकता है "कटोरा लाने वाला" या "वह जो कटोरा लाता है"।
- "पिलानेहारा" विश्वासयोग्य होने और राजा का स्वामी-भक्त होने के लिए जाना जाता था।
- उसकी विश्वसनीय स्थिति के कारण पिलानेहारा प्रायः शासक द्वारा लिए गए निर्णय पर प्रभाव डाल सकता था।
- नहेम्याह फारस के राजा, अर्तक्षत्र का पिलानेहारा था, उस समय भी कुछ इस्राएली बेबीलोन की बन्धुआई में थे।

(यह भी देखें: अर्तक्षत्र, बाबेल, बन्दी, फारस, फिरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:3–5
- नहेम्याह 01:11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8248

पीड़ा

परिभाषा:

"पीड़ा" अर्थात भयानक दर्द या व्यथा।

- पीड़ा शारीरिक या मानसिक कष्ट या व्यथा हो सकती है।
- भयानक पीड़ा में पड़े लोगों के चेहरे या व्यवहार से वह प्रकट होती है।
- उदाहरण के तौर पर, पीड़ित मनुष्य दांत पीसता है या रोता है।
- "पीड़ा" का अनुवाद हो सकता है, "मानसिक व्यथा" या "महादुःख" या "घोर कष्ट"।

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 6:24
- यिर्मयाह 19:9
- अय्यूब 15:24
- लूका 16:24
- भजन संहिता 116:3–4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2342, H2479, H3708, H4164, H4689, H4691, H5100, H6695, H6862, H6869, H7267, H7581, G09280, G36000, G49280

पीड़ा

तथ्य:

"पीड़ा" का सन्दर्भ भयानक कष्टों से है। किसी को पीड़ा पहुंचाने का अर्थ है, उस मनुष्य के लिए कष्ट का कारण होना, प्रायः निर्दयता से।

पीढ़ी

- कभी-कभी दुःख देने का संदर्भ शारीरिक कष्ट एवं व्यथा से होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में शारीरिक यातना का वर्णन किया गया है जो "पशु" के पूजकों को अंत के समय में भुगतना पड़ेगी।
- पीड़ा आत्मिक एवं मानसिक व्यथा भी होती है जैसा अय्यूब ने अनुभव किया था।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में प्रेरित यूहन्ना लिखता है, कि यीशु में उद्धार का विश्वास नहीं करनेवाले आग की झील में अनन्त आत्मिक पीड़ा सहेंगे।
- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "भयानक कष्ट" या "किसी को घोर कष्ट देना" या "यातना।" कुछ अनुवादक स्पष्टता हेतु "शारीरिक" या "आत्मिक" शब्द को इसके साथ जोड़ देते हैं।

(यह भी देखें: पशु, अनन्त, अय्यूब, उद्धारकर्ता, आत्मा, दुख उठाना, आराधना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 2:8
- यिर्मयाह 30:20–22
- विलापगीत 1:11–12
- लूका 8:28–29
- प्रकाशितवाक्य 11:10

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3013, G09280 , G09290, G09300, G09310 , G25580, G28510, G36000

पीढ़ी

परिभाषा:

"पीढ़ी" शब्द उन मनुष्यों के संदर्भ में है जो एक ही समय जीवित हों। वे सभी एक ही समय में पैदा हुए हैं और इसलिए लगभग समान उम्र के हैं।

- पीढ़ी समय का अन्तराल भी हो सकती है। बाइबल के युग में एक पीढ़ी को लगभग चालीस वर्ष माना जाता था।
- माता-पिता और सन्तान दो अलग-अलग पीढ़ियों के होते है।
- बाइबल में पीढ़ी शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में उन लोगों के लिए भी काम में लिया गया है जिनके गुण सर्वनिष्ठ होते हैं।

अनुवाद के सुझाव

- "यह पीढ़ी" या "इस पीढ़ी के लोग" का अनुवाद हो सकता है, "वर्तमान में जीवित मनुष्य" या "तुम लोग"
- "दुष्ट पीढ़ी" का अनुवाद हो सकता है, "इस समय के दुष्ट लोग"।
- "पीढ़ी से पीढ़ी" या "एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक" का अनुवाद हो सकता है, "वर्तमान में जो लोग है वे और उनके पोते-परपोते" या "हर एक युग के लोग" या "इस समय और आनेवाले समय के लोग" या "सब लोग और उनके वंशज"।
- "आनेवाली पीढ़ी उसकी सेवा करेगी, वे आनेवाली पीढ़ी को परमेश्वर का ज्ञान देंगे"। इसका अनुवाद हो सकता है, "भविष्य में अनेक लोग परमेश्वर की सेवा करेंगे और अपनी सन्तान वरन सन्तान की सन्तान को उसके बारे में बताएंगे"।

(यह भी देखें: वंशज, बुराई, पूर्वज)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19–21
- निर्गमन 3:13–15
- उत्पत्ति 15:16
- उत्पत्ति 17:7
- मरकुस 8:12
- मत्ती 11:16
- मत्ती 23:34–36
- मत्ती 24:34–35

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1755, H1859, H8435, G10740

पीढ़ी-जो लोग एक ही समय अवधि में रहते हैं

परिभाषा:

इस संदर्भ में "पीढ़ी" शब्द उन लोगों को संदर्भित करता है जो एक ही समय में जीवित हैं। ये लोग आमतौर पर एक ही संस्कृति, अनुभव और जीवन शैली साझा करते हैं।

अनुवाद सुझाव

- वाक्यांश “उसके पित्रों की पीढ़ी” का अनुवाद “उसके पूर्वज” या “जो उससे पहले रह चुके हैं” के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश “यह पीढ़ी” या “इस पीढ़ी के लोग” का अनुवाद “अभी रहने वाले लोग” या “तुम लोग” के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश “भविष्य की पीढ़ियाँ” का अनुवाद “हमारे बाद रहने वाले लोग” या “बाद के समय में रहने वाले लोग” के रूप में किया जा सकता है।

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग:

पीढ़ी-वंशजों का समूह

परिभाषा:

इस अर्थ में "पीढ़ी" शब्द का तात्पर्य वंशजों के एक समूह से है जो एक ही माता-पिता से पैदा होते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी दम्पति को प्रथम पीढ़ी के रूप में गिना जाता है, तो उनके बच्चे दूसरी पीढ़ी के होंगे, उनके पोते-पोतियाँ तीसरी पीढ़ी के होंगे, आदि उनके परिवार की रेखा में।

अनुवाद सुझाव

- "पीढ़ियों" का अनुवाद "वंशज" या "वंशजो समूह" या "बच्चे और उनके बच्चे" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश “तुम्हारी पीढ़ियों में” का अनुवाद “तुम्हारे हर एक वंशज के लिए” या “तुम्हारी संतानों और उनके बाद हर एक के लिए” किया जा सकता है
- "आने वाली पीढ़ी उसकी सेवा करेगी; वे अगली पीढ़ी को यहोवा के बारे में बताएंगे" का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है "भविष्य में बहुत से लोग यहोवा की सेवा करेंगे और अपने बच्चों और पोते-पोतियों को उसके बारे में बताएंगे।"

(यह भी देखें: वंशज, पूर्वज)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग:

पीतल

परिभाषा:

“पीतल” (कांसा) एक धातु है जिसे तांबा और टिन के मिश्रण से तैयार किया जाता है। इसका रंग हल्की लालिमा लिए गहरा भूरा होता है।

- यह धातु पानी से होने वाली हानि से सुरक्षित रहता है और गर्मी का उत्तम चालक होता है।
- प्राचीन युग में पीतल उपकरणों, हथियारों, कलाकृतियों, वेदियों, खाना पकाने के बर्तन, सैनिकों के रक्षा कवच आदि अनेक वस्तुओं के निर्माण में काम आता था।
- मिलाप वाला तम्बू और मन्दिर में अनेक समान तांबे के बने हुए थे।
- देवी-देवताओं की मूर्तियां भी तांबे से बनती थी।
- तांबे से वस्तुएं बनाने के लिए पहले तांबे को पिघलाया जाता था उसके बाद सांचों में डाला जाता था। इस प्रक्रिया को "ढालना" कहते थे।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: हथियार, मिलाप वाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 7:16
- 1 शमूएल 17:37–38
- दानिय्येल 2:44–45
- निर्गमन 25:3–7
- प्रकाशितवाक्य 1:15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5153, H5154, H5174, H5178, G5470, G5474, G5475

पीनहास

तथ्य:

पुराने नियम में पीनहास नामक दो पुरुष हुए हैं।

- हारून के पोतों में से एक का नाम पीनहास था, वह याजक था जिसने इस्राएल में झूठे देवता की उपासना का घोर विरोध किया था।
- इस्राएली पुरुषों ने मिद्यानी स्त्रियों से विवाह करके उनके देवताओं की उपासना की तो परमेश्वर का प्रकोप उन पर भड़का तब पीनहास ही ने उन्हें बचाया था।
- अनेक अवसरों पर पीनहास इस्राएलियों के साथ आक्रमणकारी मिद्यानियों का विनाश करने गया था।
- पुराने नियम में पीनहास नामक दूसरा पुरुष एली का दुष्ट पुत्र था, वह शमूएल के युग में इस्राएल के लिए याजकीय सेवा कर रहा था।
- पीनहास और उसका भाई होप्नी दोनों पलिश्तियों के साथ युद्ध में मारे गए थे और वाचा का सन्दूक पलिश्ती चुरा कर ले गए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, यरदन नदी, मिद्यान, पलिश्तियों, शमूएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 04:3–4
- एज्रा 08:1–3
- यहोशू 22:13–14
- गिनती 25:6–7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6372

पुकार

परिभाषा:

“पुकार” या “दोहाई” प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई “दोहाई” पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

पुनरुत्थान

- “दोहाई” का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
- इसका अनुवाद “ऊंचे स्वर में घोषणा करना” या “शीघ्रता में सहायता मांगना” हो सकता है- प्रकरण के अनुसार।
- “मैं तुझे पुकारता हूं” इस उक्ति का अनुवाद “मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” या “मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” हो सकता है।

(यह भी देखें: बुलाना-जोर से बोलें, विनती करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- अय्यूब 27:8–10
- मरकुस 05:5–6
- मरकुस 06:48–50
- भजन 022:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

पुनरुत्थान

परिभाषा:

“पुनरुत्थान” का अर्थ है मरणोपरान्त पुनः जीवित हो जाना।

- किसी का पुनरुत्थान करना अर्थात उसे मरणोपरान्त पुनः जीवित करना। केवल परमेश्वर के पास ऐसा करने का सामर्थ्य है।
- "पुनरुत्थान" यीशु के मरणोपरांत पुनः जीवित हो जाने के सन्दर्भ में प्रयोग किया जाता है।
- यीशु ने कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं हूं”, तो उसके कहने का अर्थ था कि वह पुनरुत्थान का स्रोत है और मनुष्य को पुनर्जीवित करने वाला वही है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “पुनरुत्थान” शब्द का अनुवाद, “पुनजीर्वित होना” या “मरणोपरान्त फिर जीवित हो जाना” हो सकता है।
- इस शब्द का शाब्दिक अर्थ है, “खडा होना” या "(मृतकों में से) खड़े किए जाने का कार्य|” ये इस शब्द केअन्य संभावित अनुवाद हो सकते हैं।

(यह भी देखें: जीवन, मृत्यु, खड़ा करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:13
- 1 पतरस 3:21
- इब्रानियों 11:35
- यूहन्ना 5:28–29
- लूका 20:27
- लूका 20:36
- मत्ती 22:23
- मत्ती 22:30
- फिलिप्पियों 3:11

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **21:14** मसीह की मृत्यु और उसके _पुनरुत्थान_ के द्वारा से, परमेश्वर पापियों के उद्धार की अपनी योजना सिद्ध करेगा और नई वाचा की स्थापना करेगा |
- **37:5** यीशु ने उत्तर दिया, "**पुनरुत्थान** और जीवन मैं हूँ।" जो कोई मुझ पर विशवास करता है वह यदि मर भी जाये, तौभी जीवित रहेगा"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G03860, G14540, G18150

पुन्तुस

तथ्य

पुन्तुस रोमी साम्राज्य और आरंभिक कलीसिया के समय एक रोमी प्रान्त था। वह काला सागर के दक्षिणी तट पर था जो आज के तुर्किस्तान का उत्तरी भाग था।

- जैसा प्रेरितों के काम की पुस्तक में लिखा है पुन्तस के यहूदी भी यरूशलेम में थे जब पवित्र आत्मा पिन्तेकुस्त के दिन प्रेरितों पर उतरा था।
- अक्विला नामक एक विश्वासी पुन्तुस से था।
- विभिन्न प्रान्तों में विसर्जित विश्वासियों को पत्र लिखते समय पतरस ने पुन्तुस प्रान्त के नाम का भी उल्लेख किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अक्विला, पिन्तेकुस्त)

बाइबल सन्दर्भ

- 1 पतरस 1:1–2
- प्रे.का. 2:9

शब्द तथ्य

- स्ट्रोंग्स: G41930, G41950

पूछना

तथ्य:

“पूछना” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। * “से पूछना” प्रायः परमेश्वर से सम्मति या बुद्धि मांगने के लिए काम में लिया गया है।

पूरा करना

- पुराने नियम में अनेक उदाहरण हैं जब मनुष्यों ने परमेश्वर से बातें पूछी हैं।
- यह शब्द राजा या किसी सरकारी अधिकारी द्वारा लिखित अभिलेख के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने के लिए भी काम में लिया जाता था।
- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “पूछना” या “जानकारी मांगते हैं।”
- “यहोवा से पूछना” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा से मार्गदर्शन खोजना” या “यहोवा से पूछना कि क्या किया जाए”।
- "पूछताछ करने के लिए" का अनुवाद "प्रश्न पूछें" या "जानकारी के लिए पूछें" के रूप में किया जा सकता है।
- जब यहोवा कहता है, “मैं उत्तर नहीं दूंगा” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं तुम्हें जानकारी पूछने की अनुमति नहीं दूंगा” या “तुम्हें मुझसे सहायता मांगने की अनुमति नहीं मिलेगी”।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:17–19
- यहेजकेल 20:1
- यहेजकेल 20:30–32
- एज्रा 07:14–16
- अय्यूब 10:4–7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1240, H1245, H1875, G1830

पूरा करना

परिभाषा:

“पूरा करना” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

- जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने भविष्यद्वाणी में जो कहा था उसे पूरा किया।
- यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "पूरा करना" का अनुवाद हो सकता है, “संपन्न करना” या “पूर्ण करना” या “सिद्ध होने का कारण उत्पन्न करना" या “आज्ञा मानना” या “क्रियान्वन करना”
- “पूरा हुआ” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “यथावत हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
- "अपनी सेवा पूरी करना" के परिप्रेक्ष्य में “पूरा करना” का अनुवाद हो सकता है, "निष्पादन करो" या "निभाओ" या "अभ्यासरत हो जाओ" या “मनुष्यों की सेवा वैसे ही करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: भविष्यद्वक्ता, मसीह, सेवक, बुलाहट)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजाओं 2:26–27
- प्रे.का. 3:17–18
- लैव्यव्यवस्था 22:17–19
- लूका 4:21
- मत्ती 1:22–23
- मत्ती 5:17
- भजन संहिता 116:12–15

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **24:4** यूहन्ना ने वह **पूरा किया** जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख, मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
- **40:3** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये चिट्ठियाँ डालीं। जब उन्होंने ऐसा किया तो यह भविष्यवाणी _पूरी हुई _ कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे वस्त्रों के लिए चिट्ठियां डालते हैं।”
- **42:7** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के वचन में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह **पूरा होना** अवश्य है।"
- **43:5** यहाँ योएल भविष्यद्वक्ता द्वारा की गई "भविष्यद्वाण **पूरी होती** है। परमेश्वर कहता है, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
- _43:7_यह भाविश्द्वानी **पूरी हुई** ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
- **44:5** यधपि तुम जानते नहीं थे कि क्या करते थे, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो से भविष्यवाणियों को _पूरा किया _ कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1214, H5487, G10960, G41380

पृथ्वी

परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

पैसे के लिए- भीख

- बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
- इस शब्द का अनुवाद प्रायः "देश" तब किया जाता है जब किसी जाति से जुड़ा होता है कि उस जाति की भौगोलिक सीमाओं को दर्शाया जाए, जैसे, "कनान देश"
- "सांसारिक" शब्द कभी-कभी उन वस्तुओं को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो अलौकिक और/या अप्रत्यक्ष की विषमता में लौकिक और/या प्रत्यक्ष हों।
- इस शब्द का प्रयोग लाक्षणिक रूप से उन लोगों को जो पृथ्वी के निवासी हैं या पार्थिव वस्तुओं को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है, जैसे, "पृथ्वी मगन हो" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा"

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के उस शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है, जिसका उपयोग इस पृथ्वी के लिए जिस पर हम रहते हैं, किया जाता है काम में लिया जाता है।
- प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- प्रतीकात्मक उपयोग में "पृथ्वी" का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
- “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: संसार, स्वर्ग)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 1:38–40
- 2 इतिहास 2:11–12
- दानिय्येल 4:35
- लूका 12:51
- मत्ती 06:10
- मत्ती 11:25
- जकर्याह 6:5

शब्द तथ्य:

-
- स्ट्रोंग्स: H0127, H0772, H0776, H0778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

पैसे के लिए- भीख

परिभाषा:

इस अर्थ में उपयोग “भीख” शब्द का अर्थ है किसी से धन या भोजन जैसी कोई भौतिक आवश्यकता मांगना।

- एक "भिखारी" वह व्यक्ति होता है जो नियमित रूप से सार्वजनिक स्थान पर बैठकर या खड़ा होकर लोगों से पैसे मांगता है।
- भिखारी उपहार के रूप में मुफ्त में पैसे या भोजन मांगते हैं और पैसे या भोजन के बदले में काम या कोई अन्य सेवा करने की पेशकश नहीं करते हैं। आपकी भाषा में ऐसे व्यक्ति या गतिविधि के लिए कोई शब्द हो सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद “सार्वजनिक रूप से पैसे मांगना” या “नियमित रूप से पैसे मांगना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: विनती, दान)

बाइबल संदर्भ:

बाइबल की कहानियों से उदाहरण:

- **44:1** एक दिन पतरस और यूहन्ना मन्दिर जा रहे थे। जब वे मन्दिर के द्वार के पास पहुँचे, तो उन्होंने एक लंगड़े व्यक्ति को **भीख मांगते** देखा।

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग का:

पोतीपर

तथ्य:

पोतीपर मिस्र के फिरौन का एक महत्वपूर्ण अधिकारी था, उस समय यूसुफ कुछ इश्माएल वंशियों को बेचा गया था।

- पोतीपर ने यूसुफ को इश्माएलवंशी व्यापारियों से खरीद कर अपने घर का पर्यवेक्षक बनाया था।
- यूसुफ पर अनुचित काम का दोष लगाया गया तो उसने यूसुफ को बन्दीगृह में डलवा दिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, यूसुफ (पुराना नियम), फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 37:34–36
- उत्पत्ति 39:1–2
- उत्पत्ति 39:13–15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6318

पोर

परिभाषा:

"पोर" और "पोर पर्वत" शब्द का सन्दर्भ मोआब क्षेत्र के खारे ताल के उत्तरी-पूर्व में स्थित पर्वत से है।

- नाम "बेतपोर" एक शहर का नाम था, शायद उस पहाड़ पर या उसके निकट स्थित था। यह वह स्थान है जहां परमेश्वर ने मूसा को प्रतिज्ञा का देश दिखाया जिसके बाद उसकी मृत्यु हो गई।
- "बालपोर" मोआबियों का एक झूठा देवता था जिसकी वे पोर पर्वत पर पूजा करते थे। इस्राएलियों ने भी इस मूर्ति की पूजा करना शुरू कर दिया और परमेश्वर ने उन्हें इसके लिए सजा दी।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाल, झूठे देवता, मोआब, खारे ताल, आराधना)

बाइबल सन्दर्भ:

- गिनती 23:28–30
- गिनती 31:16–17
- भजन संहिता 106:28–29

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1047, H1187, H6465

पौधे लगाना

परिभाषा:

"पौधे" सामान्यतः भूमि से जुडे उगने वाली वस्तु है| "बोना" अर्थात, भूमि में बीज डालना कि उसमें से पौधे निकलें| "बीज बोने वाला" वह मनुष्य है भूमि में बीज डालता है या बीज उगाता है|

- बीज बोने और पौधे लगाने की प्रक्रिया भिन्न-भिन्न होती है। एक विधि में बीज हाथ में लेकर भूमि पर विसर्जित किया जाता हैं।
- एक और विधि है जिसमें भूमि में छेद करके प्रत्येक छेड़ में बीज डाला जाता हैं।
- “बोना” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता है जैसे, मनुष्य जो बोता है वही काटता है। कहने का अर्थ है कि मनुष्य बुरा करता है तो नकारात्मक परिणाम भोगता है, अगर कोई व्यक्ति अच्छा करता है, तो उसे सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा ।

अनुवाद के सुझाव

- 'बोना' शब्द का अनुवाद "उगाना" भी किया जा सकता है। सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद करने के लिए जो शब्द काम में लिया जाए उसका अर्थ बीज बोना हो।
- "बोनेवाला" का अनुवाद करने के अन्य रूप हो सकते हैं, "रोपणकर्ता" या "किसान" या "बीज बोने वाला मनुष्य"
- अंग्रेजी में, "बोना" शब्द का उपयोग केवल बीज लगाए जाने के लिए किया जाता है, लेकिन अंग्रेजी शब्द "रोपना" शब्द का उपयोग बीज के साथ-साथ बड़ी वस्तुओं जैसे वृक्षों के लिए भी किया जा सकता है। अन्य भाषाओं में भी अलग-अलग शब्दों का उपयोग किया जा सकता है, जो निर्भर करता है कि क्या रोपित किया जा रहा है।
- "मनुष्य जो बोता है वही काटता है" इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, " जिस प्रकार एक बीज विशेष अपनी ही प्रजाति का पौधा उत्पन्न करता है, ठीक उसी प्रकार मनुष्य के सुकर्म भला परिणाम देते हैं और मनुष्य के कुकर्म दुष्परिणाम प्रकट करते हैं|"

(यह भी देखें: बुराई, भलाई, कटनी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- गलातियों 6:8
- लूका 8:5
- मत्ती. 6:25–26
- मत्ती 13:4
- मत्ती. 13:19
- मत्ती. 25:24

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2221, H2232, H2233, H2236, H4218, H4302, H5193, H7971, H8362, G4687, G4703, G5452

पौलुस

तथ्य:

पौलुस आरंभिक कलीसिया का अगुआ था जिसे यीशु ने सब जातियों में सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी नगर तरसुस में जन्मा एक यहूदी था, अतः वह रोमी नागरिक भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल द्वारा जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी धर्म का अगुआ था जो उन यहूदियों को बन्दी बनाता था जो मसीह के अनुयायी हो गए थे क्योंकि उसके विचार में यीशु में विश्वास करके वे परमेश्वर का अपमान करते थे।
- यीशु शाऊल पर अंधा करने वाले प्रचण्ड प्रकाश में प्रकट हुआ और उससे कहा कि वह मसीही विश्वासियों को सताना त्याग दे।
- शाऊल ने यीशु में विश्वास किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी शिक्षा देने लगा।
- तदोपरान्त परमेश्वर ने उसे अन्य जातियों में यीशु के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी साम्राज्य के विभिन्न नगरों में और क्षेत्रों में कलीसियाएं स्थापित की। इस समय उन्हें रोमन नाम "पौलुस" से जाने गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा देने के लिए पत्र भी लिखे थे। उनमें से अनेक पत्र नये नियम में हैं।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीही, यहूदी अगुवे, रोम)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:03
- प्रेरि. 08:03
- प्रेरि. 09:26
- प्रेरि. 13:10
- गलातियों 01:01
- फिलेमोन 01:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **45:06** एक **शाऊल** नामक जवान, स्तिफनुस के वध में शामिल लोगो से सहमत था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** **शाऊल** वह जवान था जिसने स्तिफनुस के वध में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह यीशु पर विश्वासी नही करता था, इसलिए वह विश्वासियों को सताता था।
- **46:02** परन्तु जब **शाऊल** दमिश्क के निकट पहुँचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी, और वह धरती पर गिर गया| **शाऊल** ने यह शब्द सुना, “हे **शाऊल**! हे **शाऊल**! तू मुझे क्यों सताता है?”
- **46:05** तब हनन्याह उठकर **शाउल** के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "यीशु, जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।" **शाउल** तुरन्त देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** तुरन्त ही, **शाऊल** दमिश्क के यहूदियों से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"
- **46:09** बरनबास और **शाऊल** इन नए विश्वासियों को पढ़ाने, यीशु के बारे में बताने और कलीसिया को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे **शाऊल** पुरे रोमी साम्राज्य में यात्रा करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "**पौलुस**" का इस्तेमाल करना शुरू किया।

- **47:14 पौलुस** और अन्य मसीही अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G3972, G4569